वार्षिक प्रतिवेदन

2020-2021

जी० बी० पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, नैनीताल

ZOO
NAINITAL ZOO

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

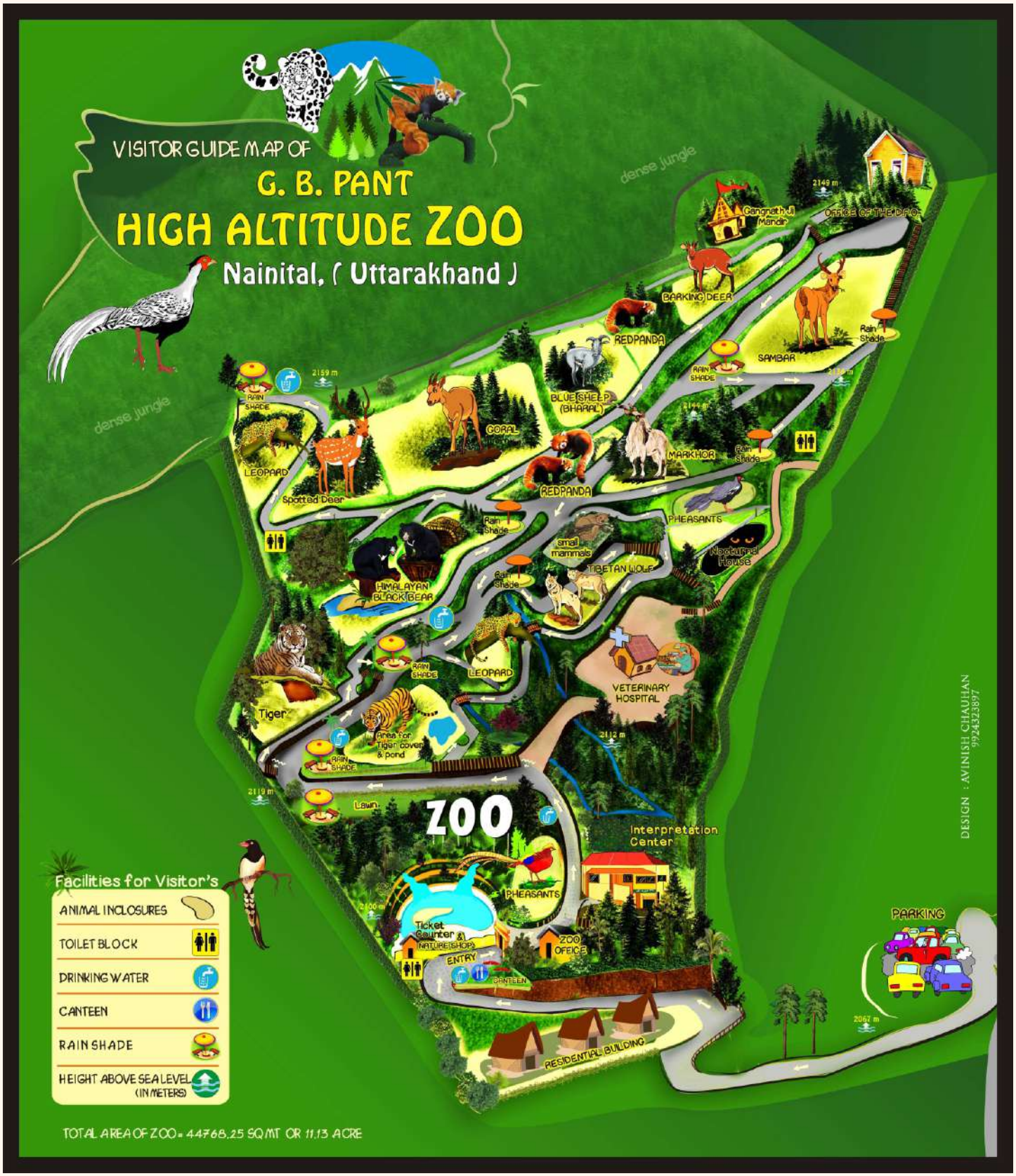

VISITOR GUIDE MAP OF
G. B. PANT
HIGH ALTITUDE ZOO
Nainital, (Uttarakhand)
dense jungle
dense jungle
Gangnath Ji Mandir
OFFICE OF THE D.F.O.
2149 m
BARKING DEER
SAMBAR
Rain Shade
RAIN SHADE
REDPANDA
BLUE SHEEP (BHARAL)
GORAL
LEOPARD
Spotted Deer
RAIN SHADE
2159 m
REDPANDA
MARKHOR
Rain Shade
PHEASANTS
Nocturnal House
small mammals
TIBETAN WOLF
Rain Shade
HIMALAYAN BLACK BEAR
LEOPARD
RAIN SHADE
VETERINARY HOSPITAL
Tiger
Area for Tiger cover & pond
RAIN SHADE
2112 m
2119 m
Lawn
ZOO
Interpretation Center
PHEASANTS
Ticket Counter & NATURE SHOP
ENTRY
CANTEEN
ZOO OFFICE
RESIDENTIAL BUILDING
PARKING
2067 m
DESIGN : AVINISH CHAUHAN
9924323897
Facilities for Visitor's
ANIMAL INCLOSURES
TOILET BLOCK
DRINKING WATER
CANTEEN
RAIN SHADE
HEIGHT ABOVE SEA LEVEL (IN METERS)
TOTAL AREA OF ZOO = 44768.25 SQ MT OR 11.13 ACRE

अनुक्रमणिका

1.	आमुख	1
2.-	प्रस्तावना	2
3.	एक नजर / Vision	3
4.	विशेष कार्य / Mission	3
5.	उद्देश्य / Objective	3
6.	प्राणी उद्यान का विवरण	4
7.	संगठनात्मक चार्ट	6
8.	मानव संसाधन	8
9.	प्राणी उद्यान प्रबन्ध / सलाहाकर समिति	9
10.	वन्य प्राणी स्वास्थ्य सलाहाकार समिति	10
11.	वन्य प्राणियों की अंगीकरण योजना	11
12.	लेखा अनुभाग	13
13.	वन्य प्राणियों को प्रतिदिन दिये जाने वाले आहार का विवरण	16
14.	टीकाकरण एवं स्वास्थ्य रक्षा	18
15.	वन्य प्राणियों की कृमिनाशक दवापान सूची	20
16.	कीटाणुशोधन अनूसूची	20
17.	जूनोटिक बीमारी के लिए कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच	21
18.	बाड़ों का समृद्धिकरण	23
19.	शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान	23
20.	विशेष एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम	27
21.	वन्य प्राणियों के रखरखाव के लिए ऋतुवार विशेष व्यवस्था	29
22.	शोध कार्य	30
23.	संरक्षण एवं प्रजनन कार्यक्रम	30
24.	वन्य प्राणियों का विनिमयीकरण	32
25.	बचाव एवं पुर्नवास	33
26.	वन्य प्राणी वार्षिक उपलब्धता सूची	34
27.	वन्य प्राणियों की मृत्यु दर	36
28.	मुक्त वन्य प्राणियों की सूची	36
29.	नेचर इन्टरप्रिटेशन सेन्टर	37
30.	ट्रांजिट एण्ड ट्रीटमैन्ट रेस्क्यू सेन्टर रानीबाग	38
31.	हिमालयन बोटैनिकल गार्डन	42
32.	वुडलैण्ड वाटरफॉल सड़ियाताल	50

आमुख

जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, नैनीताल के वर्ष 2020-21 के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यधिक हर्ष हो रहा है। सरोवर नगरी नैनीताल के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक नैनीताल प्राणी उद्यान का प्रमुख उद्देश्य संकटग्रस्त वन्य जीवों का संरक्षण, वन्य जीवों के बारे में जागरूकता फैलाने और उनके संरक्षण की जरूरतों, संरक्षण के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु अनुसंधान एवं आगन्तुकों को आनन्दमय एवं रोमांचक अनुभव प्रदान करना है। तल्लीताल स्थित अपर डांडा पहाड़ी पर लगभग 4.592 हेक्टेयर में फैला हुआ नैनीताल प्राणी उद्यान पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। बांज प्रजाति के सदाबहार जंगलों से घिरा हुआ यह उद्यान उच्च हिमालयी वन्य जीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वर्तमान में, नैनीताल प्राणी उद्यान में 14 स्तनधारी, 18 फीजैन्ट एवं अन्य पक्षियों की प्रजातियां हैं, जो आगन्तुकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र हैं। वर्ष 2020-21 में कुल 85076 पर्यटकों ने नैनीताल प्राणी उद्यान का भ्रमण किया।

नैनीताल प्राणी उद्यान पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। वर्ष 2020-21 में छात्रों एवं जनसाधारण में पर्यावरण एवं वन्य जीवन के प्रति स्नेह तथा जागरूकता उत्पन्न करने हेतु पर्यावरण दिवस, ओजोन परत संरक्षण दिवस एवं वन्य प्राणी सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त नैनीताल प्राणी उद्यान वन्य जीवों के बचाव कार्य में सराहनीय कार्य कर रहा है। वर्ष 2020-21 में विभिन्न स्थानों से अनेक वन्य जीवों का बचाव एवं पुर्नवास किया गया। वन्य जीव अंगीकरण योजना के अर्न्तगत इस वर्ष कुल 26 व्यक्तियों/संस्थाओं ने प्राणी उद्यान के वन्य प्राणियों को अंगीकृत किया। केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्राणी उद्यान के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त नैनीताल प्राणी उद्यान में शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

वर्ष 2020-21 के वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन नैनीताल प्राणी उद्यान के विभिन्न क्रिया–कलापों की जानकारी हेतु किया जा रहा है। इसके लिए मैं सम्पूर्ण प्राणी उद्यान प्रबन्धन दल को हार्दिक बधाई देता हूँ और नैनीताल प्राणी उद्यान के समग्र विकास हेतु उनके सहयोग की कामना करता हूँ।

टी0आर0 बीजूलाल, IFS
निदेशक
जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, नैनीताल

प्रस्तावना

प्राकृतिक सौन्दर्य एवं बहुमूल्य विरासत युक्त उत्तराखण्ड के लगभग 71 प्रतिशत भू–भाग पर वन स्थित हैं। जैव विविधता की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध, इस प्रदेश में बर्फीले पहाड़ों से लेकर अल्पाइन के घास के मैदान एवं तराई के घने वनों में उपलब्ध विविध प्रकार की वनस्पतियां एवं पशु पक्षियों की विविधता अद्वितीय हैं। उत्तराखण्ड में 18 प्रतिशत भू–भाग पर वन्यजीवों तथा उनके वास स्थलों के रूप राष्ट्रीय पार्क, वन्यजीव अभ्यारण्य तथा बायोस्फियर रिजर्व संरक्षित क्षेत्र बनाये गये है। मोनाल तथा कस्तूरा मृग उत्तराखण्ड के प्रतीक चिन्हों में से है। पर्वतीय क्षेत्रों की जैव विविधता एवं यहां में पाए जाने वाले वन्य प्राणियों के संरक्षण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1980 में नैनीताल में उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान की स्थापना हेतु शासनादेश जारी किया गया। इस प्रकार जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान का निर्माण कार्य वर्ष 1984 से प्रारम्भ किया गया।

अर्न्तराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र में नैनीताल का प्रमुख स्थान है। वर्तमान में नैनीताल प्राणी उद्यान शिक्षा, शोध एवं पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। उत्तराखण्ड के इस प्राणी उद्यान का शुभारम्भ दिनांक 01 जून, 1995 को किया गया। तब से वर्तमान तक नैनीताल प्राणी उद्यान उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले असहाय एवं घायल वन्य प्राणियों एवं मानव भक्षी / पशु भक्षी गुलदार तथा बाघ को आवश्यक उपचार देने के उपरान्त पुनर्वासित करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। दिनांक 01 मार्च, 2002 को प्राणी उद्यान के प्रबन्ध, रखरखाव तथा आकस्मिक कार्यो के वहन हेतु आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सोसाइटीज एक्ट 1860 तथा उत्तर प्रदेश सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1975 के अनुसार इसका पंजीकरण प्रबन्ध सोसाइटी के रूप में किया गया।

वर्तमान परिवेश में जब कि सम्पूर्ण विश्व में वनों एवं वन्यजीवों के महत्व को मानव सभ्यता हेतु आवश्यक माना जा रहा है। पर्यावरण संतुलन में इस धरती पर मौजूद प्रत्येक प्राणी का अपना महत्व एवं योगदान है। इसके बिना हम सम्पूर्ण सभ्यता की परिकल्पना नहीं कर सकते हैं।

एक नजर / Vision

संरक्षण–संवर्धन देखभाल शिक्षा एवं शोध अध्ययन द्वारा वन्यजीवों का परिरक्षण किया जाना।

विशेष कार्य / Mission

वन्य जीवों को सुरक्षित करने हेतु संरक्षित प्रजनन, शिक्षा एवं प्रेरणादायक कार्यों हेतु सचल केन्द्र का निर्माण किया जाना।

उद्देश्य / Objective

1. उच्च स्थलीय वन्यजीवों का सतत संग्रहण करना।
2. विलुप्त प्राय प्राणियों एवं वनस्पतियों का संरक्षण एवं संवर्धन।
3. वन्यजीव पालन में उत्तरोत्तर श्रेष्ठ कार्य करना।
4. कर्मचारियों एवं पर्यटकों की सुविधा एवं समृद्धि सुनिश्चित करना।
5. प्राणी उद्यान स्वयं सेवियों के शिक्षात्मक कार्यक्रमों को आयोजित करवाना।
6. वन्य प्राणियों के बचाव कार्य एवं पुनर्वास के साथ–साथ उनकी उत्तरजीविता को बनाये रखना।
7. प्राणी उद्यान स्थित वन्यजीवों के प्रबन्धन हेतु विभिन्न शोध अध्ययन जानकारियों तथा शिक्षा की आधारभूत व्यवस्था करना।
8. परिस्थितियों पर्यटन को प्रोत्साहन एवं स्थानीय जन को आजीविका का मौका देना।
9. उच्च स्तरीय स्वच्छता तथा जन–जागरूकता को बनाये रखना।

सिद्धान्त / Principle

1. संरक्षण
2. देख–रेख
3. स्वच्छता
4. संरक्षित प्रजनन
5. सुविधा

प्राणी उद्यान का विवरण

क्र. सं.	विवरण	सूचना / जानकारी
1.	प्राणी उद्यान का नाम	जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, नैनीताल
2.	स्थापना वर्ष	01 जून 1995
3.	पता	अपर डांडा, तल्लीताल, नैनीताल–263002
4.	राज्य	उत्तराखण्ड
5.	फोन नं0	05942-237927, 9410777683
6.	फैक्स नं0	
7.	ई–मेल	nainitalzoouk@gmail.com
8.	वेबसाईट	nainitalzoo.org.in
9.	दूरी	वायु मार्ग द्वारा:– निकटतम हवाई अड्डा पन्तनगर से 65 किमी0 सड़क मार्ग द्वारा नैनीताल तक। रेल मार्ग द्वारा:– काठगोदाम रेलवे स्टेशन से 40 किमी0 सड़क मार्ग द्वारा नैनीताल तक। तल्लीताल बस स्टैण्ड से दूरी:– 02 किमी0
10.	वैधता	
11.	वर्ग	Small Zoo
12.	क्षेत्रफल विवरण	4.592 हेक्टेयर
13.	प्रवेश शुल्क	वयस्क (12 वर्ष से अधिक) रू0 100.00 बच्चे (05 वर्ष से 12 वर्ष) रू0 50.00 वयस्क (विदेशी) रू0 200.00 बच्चे (विदेशी) रू0 100.00 वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं 05 वर्ष से कम आयु के बच्चे हेतु प्राणी उद्यान में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

क्र. सं.	विवरण	सूचना / जानकारी
14.	पर्यटको की सं0	वयस्कः–76537 बच्चे :–8509 कुल भारतीयः–85046 विदेशी वयस्कः–19 विदेशी बच्चे :–11 कुल विदेशी :–30 कुल पर्यटकों की सं0ः–85076
15.	पर्यटकों हेतु सार्वजनिक सुविधाऐं	★ सोवेनियर शॉप ★ यात्री सामान घर (प्रवेश द्वार के पास) ★ दिशा निर्देश नक्शा ★ जलपान गृह ★ प्राथमिक उपचार ★ विश्राम स्थल ★ शुद्ध जल हेतु R.O. सिस्टम ★ स्वच्छ एवं सुगम शौचालय ★ कूड़ेदान
16.	साप्ताहिक अवकाश	बृहस्पतिवार
17.	अन्य अवकाश	होली, दीपावली, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस
प्राणी उद्यान प्रबन्धन अधिकारी / कर्मचारी		
18.	निदेशक वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी वन क्षेत्राधिकारी बायोलॉजिस्ट सिस्टम एनालिस्ट	श्री टी0आर0 बीजूलाल डॉ0 हिमांशु पांगती श्री अजय सिंह रावत श्री अनुज काण्डपाल श्री आनन्द सिंह
	कम्प्यूटर ऑपरेटर फार्मासिस्ट स्वामित्व / संचालक	श्री रमेश सिंह श्री विक्रम सिंह मेहरा
19.	संचालक का नाम	निदेशक, प्राणी उद्यान, नैनीताल
20.	पता	अपर डांडा, तल्लीताल, नैनीताल–263002
21.	फोन नं0	05942-237927, 9410777683
22.	ई–मेल	nainitalzoouk@gmail.com

प्राणी उद्यान का संगठनात्मक चार्ट

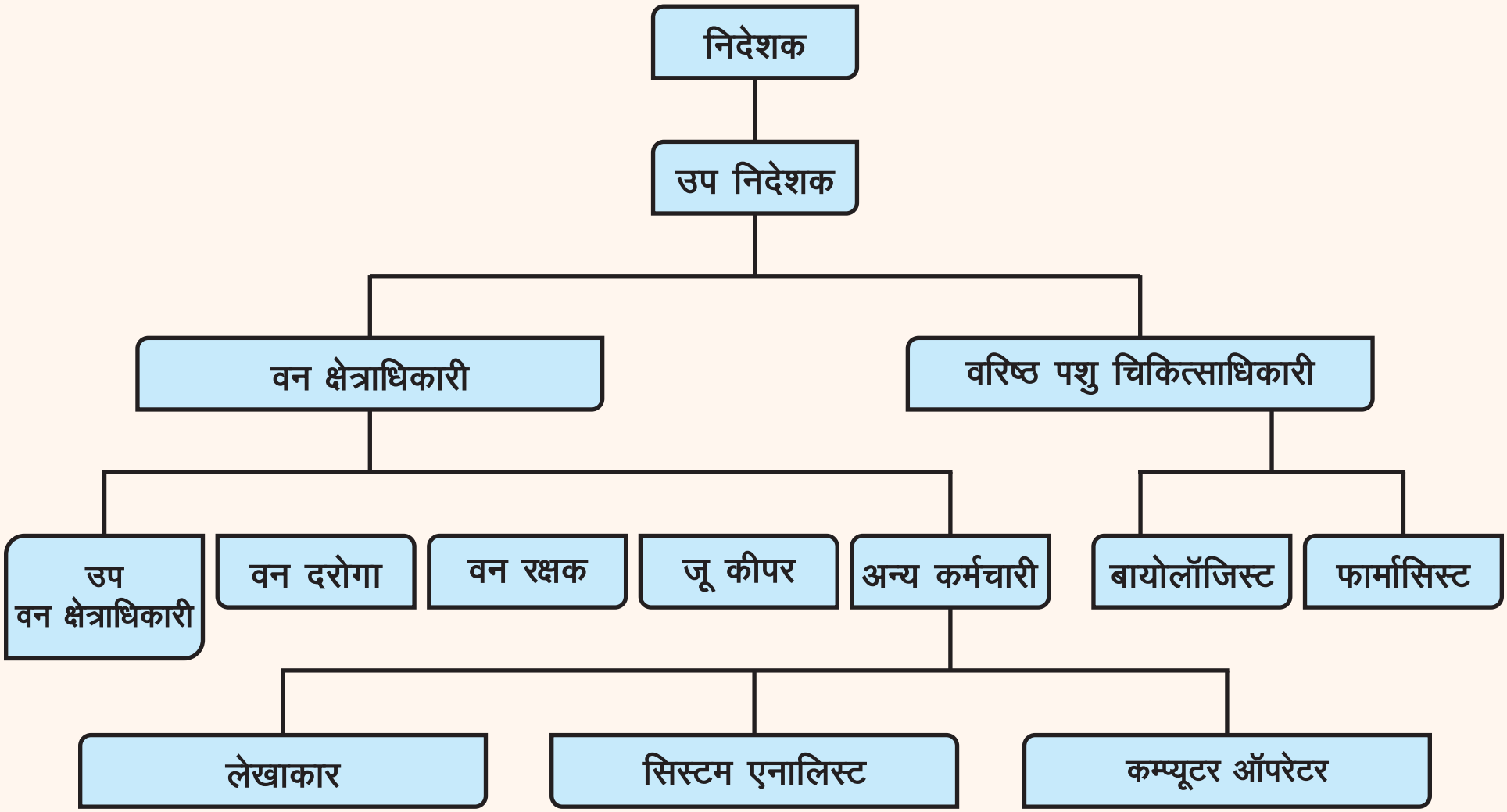

नैनीताल प्राणी उद्यान प्रशासन

श्री टी० आर० बीजूलाल
(भा0व0से0)
निदेशक, प्राणी उद्यान, नैनीताल

डॉ० हिमांशु पांगती
वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी (वन्य जीव)
प्राणी उद्यान, नैनीताल

श्री अजय सिंह रावत
वन क्षेत्राधिकारी,
प्राणी उद्यान, नैनीताल

श्री दीपक कुमार तिवारी
उप वन क्षेत्राधिकारी,
प्राणी उद्यान, नैनीताल

श्री अनुज काण्डपाल
बायोलॉजिस्ट
प्राणी उद्यान, नैनीताल

श्री आनन्द सिंह
सिस्टम एनालिस्ट
प्राणी उद्यान, नैनीताल

मानव संसाधन

प्राणी उद्यान में वन्यजीवों के रखरखाव, व्यवस्था, प्रबन्धन एवं अनुरक्षण कार्यो हेतु निम्नानुसार स्टाफ तैनात हैः–

क्र. सं.	पदनाम	संख्या	पदस्थ अधिकारी
1.	निदेशक	01	श्री टी0आर0 बीजूलाल
2.	उप निदेशक	01	श्री पूरन चन्द्र पाण्डे
3.	वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी	01	डॉ0 हिमांशु पांगती
4.	वन क्षेत्राधिकारी	01	श्री अजय सिंह रावत
5.	उप वन क्षेत्राधिकारी	02	श्री दीपक कुमार तिवारी, श्री धरम सिंह बोनाल
6.	वन दरोगा	06	श्री महेश बोरा, श्री पुष्कर सिंह मेहरा, श्री ललित मोहन पाण्डे, श्री खजान चन्द्र मिश्रा, श्री राजेन्द्र कुमार जोशी, श्री गिरधर सिंह नेगी
7.	वन रक्षक	00	
8.	अर्दली	01	श्रीमती विमला बिष्ट
9.	बायोलॉजिस्ट	01	श्री अनुज काण्डपाल
10.	सिस्टम एनालिस्ट	01	श्री आनन्द सिंह
11.	कम्प्यूटर ऑपरेटर	01	श्री रमेश सिंह
12.	फार्मासिस्ट	01	श्री विक्रम सिंह मेहरा
13.	कीपर	13	
14.	रसोइया	01	श्री शिव बहादुर
15.	भोजन वितरक	01	श्री टस बहादुर
16.	वाहन चालक	02	श्री सूरज नयाल, श्री कमल पलड़िया
17.	सुरक्षा कर्मी एवं श्रमिक	11	
	कुल	**45**	

प्राणी उद्यान प्रबन्धन

दिनांक 01 मार्च 2002 को प्राणी उद्यान के प्रबन्ध, रखरखाव तथा आकस्मिक कार्यों के वहन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 तथा उ0प्र0 सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1975 के अनुसार इसका पंजीकरण प्रबन्ध सोसाइटी के रूप में किया गया।

जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान के कुशल संचालन एवं आय के विभिन्न श्रोतों के सृजन तथा विभिन्न व्ययों हेतु जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान प्रबन्ध समिति का गठन किया गया।

प्रबन्ध समिति :–

शासनादेश संख्या–3500/1-व.ग्रा.वि./2001-8 (75)/2001 दिनांक 04.12.2001 के अनुसार नैनीताल प्राणी उद्यान का नाम भारत रत्न पं0 जी0बी0 पन्त, हाई एल्टिट्यूडजू मैनेजमैन्ट सोसाइटी, नैनीताल "Bharat Ratna Pt. G. B. Pant, High Altitude Zoo Management Society Nainital" था, एवं वर्तमान में उत्तराखण्ड सरकार के शासनादेश सं0 1484/X-2-2017-8(75)2001, दिनांक 19 सितम्बर, 2017 के द्वारा इस संस्था के नाम के आगे से भारत रत्न शब्द हटा दिया गया हैं। जिस कारण वर्तमान नाम "G. B. Pant, High Altitude Zoo Nainital" कर दिया गया है। इस संस्था की सोसाइटी/समिति का नाम जी0बी0 पन्त उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान एवं जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबन्धन समिति, नैनीताल "G.B. Pant, High Altitude Zoo and Biodiversity Conservation and Management Society, Nainital" है। नैनीताल प्राणी उद्यान की प्रबन्ध समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:–

- सचिव वन, उत्तराखण्ड शासन – अध्यक्ष
- मुख्य वन संरक्षक, (कुमाऊँ), उत्तराखण्ड, नैनीताल – उपाध्यक्ष
- मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक,उत्तराखण्ड, देहरादून – सदस्य
- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून– सदस्य
- वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊँ वृत्त,उत्तराखण्ड, नैनीताल – सदस्य
- निदेशक, जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान प्रबन्ध सोसाइटी, नैनीताल – सदस्य सचिव
- प्रभागीय वनाधिकारी, नैनीताल वन प्रभाग, नैनीताल – कोषाध्यक्ष
- जिलाधिकारी, नैनीताल – सदस्य
- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नैनीताल – सदस्य
- अध्यक्ष, होटल एसोसिएशन, नैनीताल – सदस्य
- मैनेजर, लीड बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, नैनीताल – सदस्य
- अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, नैनीताल – सदस्य
- अपर निदेशक, पशुपालन विभाग – सदस्य

वन्य प्राणी स्वास्थ्य सलाहकार समिति :–

दिनांक 25.08.2020 को जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, नैनीताल में उत्तरांचल शासन के शासनादेश सं 01617/1(2)Va.Gra.VI/2002- 8(25)/2001 दिनांक 28.09.2002 के अनुसार वन्य प्राणी स्वास्थ्य सलाहकार समिति की 26वीं बैठक सम्पन्न हुई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :–

1	डॉ0 पी0एस0 भण्डारी	मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, नैनीताल	अध्यक्ष
2	डॉ0 जे0एल0 सिंह	प्राध्यापक, औषधि विज्ञान एवं समन्वयक वन्य प्राणी निदान एवं उपचार केन्द्र, पन्तनगर	सदस्य
3	डॉ0 एम0 कारीकालन	वैज्ञानिक, वन्य जीव विभाग, आई0वी0आर0आई0, बरेली	सदस्य
4	डॉ0 हिमांशु पांगती	वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी ग्रेड–1, प्राणी उद्यान, नैनीताल	सचिव
5	डॉ0 पराग निगम	प्रतिनिधि, निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, उत्तराखण्ड, देहरादून	सदस्य

अन्य उपस्थित प्रतिभागी एवं अधिकारी :–

1	श्री टी0आर0 बीजूलाल	निदेशक, प्राणी उद्यान, नैनीताल
2	श्री अजय सिंह रावत	वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान, नैनीताल
3	डॉ0 दीप्ति अरोड़ा	पशु चिकित्साधिकारी ग्रेड–2, वानर बन्ध्याकरण केन्द्र, रानीबाग
4	श्री दीपक कुमार तिवारी	उप वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान, नैनीताल
5	श्री विक्रम सिंह मेहरा	फार्मासिस्ट, प्राणी उद्यान, नैनीताल

नैनीताल प्राणी उद्यान में वन्य प्राणियों की अंगीकरण योजना :–

जनमानस में वन्य प्राणियों के प्रति लगाव, प्रेम एवं जागरूकता उत्पन्न करने हेतु प्राणी उद्यान, नैनीताल द्वारा वन्य प्राणियों के अंगीकरण की योजना प्रारम्भ की गयी है। इस योजना के अर्न्तगत कोई भी व्यक्ति, संस्था या संस्थान प्राणी उद्यान के वन्य प्राणियों को अंगीकृत कर सकता है। अंगीकृत करने वाले व्यक्ति एवं संस्थाओं को आयकर अधिनिमय 80 G के अर्न्तगत आयकर में छूट प्राप्त होती है। वर्ष 2020-21 में विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं द्वारा निम्न वन्य प्राणियों को अंगीकृत किया गया है।

क्र.सं.	व्यक्तियों / संस्थाओं का नाम	अंगीकृत किये गये वन्य प्राणी का नाम	धनराशि
1.	श्री मनोज कुमार साह	गोल्डन फीजैन्ट	3600.00
2.	श्रीमती सुनीता साह	गोल्डन फीजैन्ट	3600.00
3.	श्री निर्मल कुमार साह	गोल्डन फीजैन्ट	14000.00
4.	श्री ललित रावत S/O श्री स्वः के0एस0 रावत	सिल्वर फीजैन्ट	3600.00
5.	श्रीमती सरिता रावत C/O श्री ललित रावत	रैड जंगल फॉउल	3600.00
6.	श्रीमती विदिती साह एवं मैत्री साह C/O श्री नीरज साह	सिल्वर फीजैन्ट	3600.00
7.	प्रबन्धक, कुर्मांचल नगर सरकारी बैंक लि0	तिब्बती भेडिया	40000.00
8.	श्री भगवन्त सिंह बोहरा	गोल्डन फीजैन्ट	3600.00
9.	श्री योगेश पाण्डे	रेड पाण्डा, कॉकाटेल	51000.00
10.	डॉ0 मुनीश सबरवाल एण्ड सन्स	हिल पाट्रीज	3600.00
11.	डॉ0 अनीता मिश्रा	ब्लू शीप	13000.00
12.	डॉ0 पुर्नोदय मिश्रा	ब्लू शीप	13000.00
13.	अध्यक्ष, नैनीताल बैंक	हिमालयन काला भालू रेड पाण्डा, घुरल, क्लीज फीजैन्ट एवं लव बर्ड	102200.00
14.	श्री खजान चन्द्र मिश्रा	लव बर्ड	2200.00
15.	श्री उमेश कुमार	भारतीय मोर	4300.00
16.	कंसल प्रिन्टर्स	चीर फीजैन्ट	10800.00
17.	श्री भुवन चन्द्र जोशी	कलीज फीजैन्ट	10800.00
18.	श्री विमल कुमार साह एवं श्रीमती भारती साह	गोल्डन फीजैन्ट	3600.00
19.	श्री शशांक रघुवंशी	रेड पाण्डा	15000.00
20.	श्री सुनील निगम एवं अल्का निगम	सफेद मोर और सनकनूर	7300.00
21.	श्री आदित्य निगम एवं आयुशी निगम	सिल्वर फीजैन्ट	3600.00
22.	श्री डी0सी0 पाण्डे एवं विनीता पाण्डे	भारतीय मोर	4300.00
23.	श्री रेनू गुप्ता	रेड पाण्डा और गोल्डन फीजैन्ट	22000.00
24.	मास्टर अक्षत शर्मा C/O श्री अतुल शर्मा	लेडी एमहर्स्ट	7000.00
25.	स्व0 श्री अनिरूद्ध साह C/O श्री पी0के0 साह	गोल्डन फीजैन्ट	7000.00
26.	श्री दिपेश रतन भारद्वाज	बजरीगर	2200.00
	कुल योग		**358500.00**

नैनीताल प्राणी उद्यान में मनाये जाने वाले राष्ट्रीय पर्व, प्रमुख दिवस एवं सप्ताह :–

• गणतन्त्र दिवस	26 जनवरी
• विश्व वन्य प्राणी दिवस	03 मार्च
• विश्व गौरेया दिवस	20 मार्च
• अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस	22 मई
• प्राणी उद्यान स्थापना दिवस	01 जून
• विश्व पर्यावरण दिवस	05 जून
• अर्न्तराष्ट्रीय टाईगर दिवस	29 जुलाई
• स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त
• अर्न्तराष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस	16 सितम्बर
• गांधी जयन्ती	02 अक्टूबर
• वन्य प्राणी सप्ताह	01 से 07 अक्टूबर

लेखा अनुभाग :–

नैनीताल प्राणी उद्यान में वर्ष 2020-21 में हुई आय एवं व्यय का ऑडिट चार्टेड एकाउण्टेन्ट नैनीताल द्वारा करवाया गया और ऑडिट रिर्पोट की एक प्रति आयकर विभाग को प्रेषित की गयी है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है:–

नैनीताल प्राणी उद्यान का 31 मार्च 2021 तक का वित्तीय स्थिति विवरण :–

PANDIT GOVIND BALLABH PANT UCCH STHALIYA PRANI UDHYAN SOCIETY
NAINITAL-UTTARAKHAND
Balance Sheet as at 31st March 2021

Liabilities		Amount (Rs.)	Assets		Amount (Rs)
Society Fund			**Fixed Assets**		
Opening Balance	2,22,51,708.00		Against Government/other Grants		1,68,30,666.00
Surplus for the year	14,54,472.00	2,37,06,180.00	(Schedule I)		
			Against own funds		2,05,26,872.00
Deferred Government / Other Grants			(Schedule II)		
Against Fixed Assets-Govt		1,19,64,666.00			
Against Fixed Assets-CSR-BPCL		48,66,000.00	**Current Assets, Loans & Advances**		
(Schedule I)			TDS/TCS		1,82,245.00
			Sundry Debtors		1,200.00
Reserve & Surplus			Advances-Imprest		4,297.00
Dep. Reserve Fund Own Assets			Nature Shop-Stock		8,41,753.00
Opening Balance	67,71,319.00				
Dep.Trf. during the year	16,15,336.00	83,86,655.00	**Cash & Cash Equivalents**		
(Schedule II)			Cash with Bank		33,45,242.00
			Cash in Hand		1,19,750.00
Unutilized Grants			Term Deposits		
F.T.I. Haldwani (Op.)	22,440.00		Recurring	1,20,000.00	
Trng. Prgm-ERDA (Op.)	1,92,315.00		Term Deposits	77,26,588.00	78,46,588.00
BCRLIP Project	2,65,654.00	4,80,409.00			
Current Liabilities					
TDS Payable		284.00			
GST Payable		2,94,419.00			
TOTAL		**4,96,98,613.00**	**TOTAL**		**4,96,98,613.00**

Notes on accounts are the integral part of the final accounts

As per our report of even date annexed

For & on behalf of
PAVAN NATH & ASSOCIATES
Chartered Accountants
ICAI Firm Reg. No 014885C

(Secretary) **(Member)**

Date: 21 SEP 2021
Place: Nainital

Pavan Kumar Nath
Proprietor
M. No. 077997

PANDIT GOVIND BALLABH PANT UCCH STHALIYA PRANI UDHYAN SOCIETY
NAINITAL-UTTARAKHAND
Receipt & Payment Account for the year ended 31st March 2021

Receipts		Amount (₹)	Payments	Amount (₹)
BY,			TO,	
Opening Balance				
Cash at Bank	12,73,273.00		**Grant-in-Aid Utilized**	
Term Deposits	71,17,907.00	83,91,180.00	Interpretation Centre-CSR-BPCL	48,66,000.00
			Adoption of Animal	3,79,500.00
Grant-in-Aid Received				
CSR-BPCL		48,66,000.00		
Adoption of Animal		3,79,500.00	**Cash Outflow - Own Sources**	
Interest-Bank		7,647.00	Expenses : Nainital Zoo	72,39,114.00
			Expenses : Botanical Garden	20,76,489.00
Cash Inflow-Own Sources			Expenses : Ranibagh Centre	1,42,163.00
Sales: Nature's Shop		68,758.00		
Entry Fee -Zoo		80,84,050.00		
Entry Fee-Interpretation Centre		40,240.00	**Addition in Fixed Assets**	
Entry Fee-Botanical Garden		5,26,227.00	Own Sources	4,71,873.00
Entry Fee-Saritataal Waterfall		27,67,626.00		
			Closing Balance	
Other Income			Cash in hand	1,19,750.00
Interest-Bank Dep.		4,84,410.00	Cash at Bank	33,45,242.00
Canteen-Zoo		4,23,729.00	Term Deposits	78,46,588.00
Canteen-Botonical Garden		1,14,336.00		
Other Income		25,558.00		
Decrease in Current Assets		64,095.00		
Increase in Current Liabilities		2,43,363.00		
Total		**2,64,86,719.00**	**Total**	**2,64,86,719.00**

Notes on accounts are the integral part of the final accounts

As per our report of even date annexed

For & on behalf of
PAVAN NATH & ASSOCIATES
Chartered Accountants
ICAI Firm Reg. No 014885C

(Secretary) **(Member)**

Date: 21 SEP 2021
Place: Nainital

Pavan Kumar Nath
Proprietor
M. No. 077997

नैनीताल प्राणी उद्यान में 31 मार्च 2021 तक हुई आय और व्यय का विवरण :–

PANDIT GOVIND BALLABH PANT UCCH STHALIYA PRANI UDHYAN SOCIETY
NAINITAL-UTTARAKHAND
Income & Expenditure Account for the year ended 31st Mach 2021

Expenditure	Amount (₹)	Income	Amount (₹)
To,		By,	
Opening Stock-Nature's Shop	8,49,113.00	**Revenue-Own Sources**	
		Sales: Nature's Shop	68,758.00
		Entry Fee -Zoo	80,84,050.00
Expenses : Nainital Zoo		Entry Fee-Interpretation Centre	40,240.00
Accounting Charges	48,000.00	Entry Fee-Botanical Garden	5,26,227.00
Advertisement & Publicity	87,202.00	Entry Fee-Saritataal Waterfall	27,67,626.00
Audit Fee	23,600.00		
Bank Interest & Charges	11,613.00	**Other Income**	
Books & Periodicals	1,925.00	Interest-Bank Dep.	4,84,410.00
Calendars & Diaries	3,24,169.00	Canteen-Zoo	4,23,729.00
Cleaning & Sanit.-Zoo Premises	10,74,986.00	Canteen-Botonical Garden	1,14,336.00
Printing & Stationery	1,50,139.00	Other Income	25,558.00
Consumable Stores	8,623.00	Closing Stock-Nature's Shop	8,41,753.00
COVID - 19 Expenses	28,355.00	(Taken as valued & cert. by the Management)	
Fee & Charges	48,990.00		
Fooding Animals	8,53,126.00	**Grant-in-Aid Received**	
Fuel & LPG	15,848.00	CSR-BPCL	48,66,000.00
Generator Repair	4,834.00	Adoption of Animal	3,79,500.00
Rent, rates & taxes	18,000.00		
Interest & Late Fee	19,731.00		
Internet Connection	20,500.00		
Interpretation Centre's Exp	4,82,950.00		
Drugs & Medicine-Animals	1,44,199.00		
Outreach Programme	76,523.00		
Painting & Whitewashing	29,521.00		
Postage & Telephone	27,976.00		
Power, Electricity & Water	4,47,790.00		
Misc. Exp.	6,329.00		
Rem., Arrear & Bonus-Zoo Staff	9,00,393.00		
Salary-Security Guard	1,02,070.00		
Repairs & Maintenance	13,68,787.00		
Staff Welfare	1,67,475.00		
Taxi Darmy Work	898.00		
Taxi Hiring Expenses	54,750.00		
Tea & Refreshment	1,00,556.00		
Transport Expenses	43,000.00		
Vehicle Running & Repair	2,76,240.00		
Washing Expenses	3,536.00		
Weight & Measurement	3,750.00		
Rent , Rates & Taxes	49,346.00		
Zoo Landscape	2,13,584.00		
Expenses : Botanical Garden			
Accounting Charges	40,000.00		
Consumable Stores	6,027.00		
Electric Work Charges	16,405.00		
Flowers Expenses	40,375.00		
Nursery Name Plate Work	52,515.00		
Painting & Whitewashing	1,42,440.00		
Power, Electricity & Water	11,517.00		
Printing & Stationery	552.00		
Repairs & Maintenance	16,51,878.00		
Tea & Refreshment	6,053.00		
Transport etc	41,046.00		
Remuneration	67,681.00		
Expenses : Ranibagh Centre			
Fooding Expenses	1,18,844.00		
Rem., Arrear & Bonus- Ranibagh	23,319.00		
Grant-in-Aid Utilized			
Adoption of Animal	3,79,500.00		
Interpretation Centre-CSR-BPCL	48,66,000.00		
Depreciation	16,15,336.00		
Surplus for the year	14,54,472.00		
Total	**1,86,22,187.00**	**Total**	**1,86,22,187.00**

Notes on accounts are the integral part of the final accounts

As per our report of even date annexed

For & on behalf of
PAVAN NATH & ASSOCIATES
Chartered Accountants
ICAI Firm Reg. No 014885C

(Secretary) **(Member)**

Date: 21 SEP 2021
Place: Nainital

Pavan Kumar Nath
Proprietor
M. No. 077997

Pavan Nath & Associates NAINITAL Chartered Accountants

राजस्व :–

विगत 10 वर्षो में नैनीताल प्राणी उद्यान में आये दर्शकों एवं प्राप्त आय का विवरण निम्न प्रकार है :–

वर्ष	कुल योग	
	पर्यटक	धनराशि
2011-12	202400	5438080
2012-13	221292	7152740
2013-14	177160	8006420
2014-15	226747	10312430
2015-16	278893	12757880
2016-17	301290	13736220
2017-18	323661	15745720
2018-19	262375	24118600
2019-20	251692	23377750
2020-21	85076	8084050

विगत 10 वर्षो में नैनीताल प्राणी उद्यान में आये पर्यटकों का विवरण

वन्य प्राणियों के प्रतिदिन की आहार सूची :–

क्र.सं.	वन्य प्राणी	खाद्य सामाग्री	मात्रा		उपवास का दिन
			शीतकाल	ग्रीष्मकाल	
1.	Peafowl	मुर्गी दाना, दाना, बाजरा, हरा साग, मूंगदाल, धान, सफेद ज्वार	0.300 ग्रा0	0.300 ग्रा0	–
2.	White Peafowl	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, मूंगदाल, धान, सफेद ज्वार	0.300 ग्रा0	0.300 ग्रा0	–
3.	Cheer Pheasant	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
4.	Kalij Pheasant	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
5.	Monal Pheasant	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
6.	Himalayan Black Bear	चावल, गुड़, खीरा, हरा साग, मौसमी फल, भुट्टा, जौ का आटा, चने का आटा, दूध, गाजर	2.410 कि0ग्रा0	2.410 कि0ग्रा0	–
7.	Common Palm Civet	भैंसा मांस, केला	0.250 ग्रा0	0.2500 ग्रा0	गुरूवार
8.	Himalayan Palm Civet	भैंसा मांस, केला	0.250 ग्रा	0.250 ग्रा0	गुरूवार
9.	Leopard (Panther)	भैंसा मांस, मुर्गा, बकरा	02.500 कि0ग्रा	02.500 कि0ग्रा0	गुरूवार
10.	Markhor	चना, चोकर, खली, हरा चारा	03.300 कि0ग्रा	03.300 कि0ग्रा0	–
11.	Yellow Throated Marten	भैंसा मांस, केला	0.250 ग्रा	0.250 ग्रा0	गुरूवार
12.	Red Panda	दूध, केला, सेब, शहद, अण्डा, रिंगाल	5.050 कि0ग्रा0, एक अण्डा	5.050 कि0ग्रा0, एक अण्डा	–
13.	Blue Sheep (Bharal)	चना, चोकर, खली, हरा चारा	3.300 किग्रा0	3.300 किग्रा0	–
14.	Bangal Tiger	भैंसा मांस, मुर्गा, बकरा	07.000किग्रा0	07.000 किग्रा0	गुरूवार
15.	Tibetan Wolf	भैंसा मांस, मुर्गा, बकरा	2.500 किग्रा0	2.500 किग्रा0	गुरूवार

क्र.सं.	वन्य प्राणी	खाद्य सामाग्री	मात्रा		उपवास का दिन
			शीतकाल	ग्रीष्मकाल	
16.	Red Jungle Fowl	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
17.	Black Kite	भैंसा मांस	0.250 ग्रा0	0.250 ग्रा0	गुरूवार
18.	Rose Ring Parakeet	धान, चना, मौसमी फल, हरी मिर्च, मूंगफली, भुट्टा	0.110 ग्रा0	0.110 ग्रा0	–
19.	Hill Partidge	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
20.	Edward Pheasant	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
21.	Golden Pheasant	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
22.	Barking Deer (Kakar)	चना, चोकर, खली, हरा चारा	3.300 ग्रा0	3.300 ग्रा0	–
23.	Sambar Deer	चना, चोकर, खली, हरा चारा	11.100 किग्रा0	11.100 किग्रा0	–
24.	Spotted Deer (Chital)	चना, चोकर, खली, हरा चारा	3.300 किग्रा	03.300 किग्रा0	–
25.	Goral	चना, चोकर, खली, हरा चारा	3.300 किग्रा	03.300 किग्रा0	–
26.	Cockatail	बाजरा	0.010 ग्रा0	0.010 ग्रा0	–
27.	Sun Conure	भुट्टा, फल, गेंहू	0.035 ग्रा0	0.035 ग्रा0	–
28.	Love Birds	बाजरा	0.010 ग्रा0	0.010 ग्रा0	–
29.	Blue & Yellow Macaw	अखरोट, भुट्टा, कबली चना, फल	0.150 ग्रा0	0.150 ग्रा0	–
30.	Lady Amherset Pheasant	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
31.	Silver Pheasant	मुर्गी दाना, बाजरा, हरा साग, टमाटर, प्याज, लौकी, लहसुन, गेहूं, अण्डा	0.155 ग्रा0, अण्डा	0.155 ग्रा0	–
32.	Budgerigar	बाजरा	0.010 ग्रा0	0.010 ग्रा0	–

टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा :–

S.No.	Species	Disease vaccinated for	Name of the Vaccine and dosage/quantity	Periodicity	Remarks
1.	Feline	Panleucopenia Herpes virus Calcivirus Rabies	Biofel PCHR Biofel PCHR Biofel PCHR Biofel PCHR	Annual Annual Annual Annual	
2.	Small Carnivores	Rabies	Raksharab	Annual	
3.	Tibetan Wolf	Rabies Canine-Distemper Canine-ParvoVirus Canine-Contagious Hepatitis Virus Canine Leptospirosis	Raksharab Megavac-6 Megavac-6 Megavac-6 Megavac-6	Annual Annual Annual Annual Annual	
4.	Himalayan Black Bear	Rabies	Megavac-6	Annual	
5.	Harbivores	Foot and mouth Disease	Triovac vaccine	Annual	
6.	Pheasant and Birds	RD, FP	No vaccination used	-	Advice awaited

वन्य प्राणियों की कृमिनाशक दवापान सूची :–

S.No.	Species	Drug Used	Month
1.	Carnivores	Panacur/ Abide Plus/ Av-2/ Eazypet/ Albomar/ Praziplus	Thrice in a year
2.	Omnivores	Panacur/ Abide Plus/ Av-2/ Eazypet/ Albomar/ Praziplus	Thrice in a year
3.	Harbivores	Panacur/ Abide Plus/ Av-2/ Eazypet/ Albomar/ Praziplus/ Nilzan/ Fasinex	Thrice in a year
4.	Pheasant and Birds	Albomar/ Piperazine/ Neomac	Twice in a year

कीटाणुशोधन अनुसूची :–

S.No.	Species	Type of enclosure	Disinfectant used and method	Frequency of disinfection
1.	Carnivores	Night Shelter	Lizol Solution	Daily
		Drain Pipe etc.	Phinyl Solution	Daily
2.	Omnivores	Night Shelter	Lizol Solution	Daily
		Drain Pipe etc.	Phinyl Solution	Daily
3.	Harbivores	Night Shelter	Lizol Solution	Daily
4.	Pheasant and Birds	Display Enclosure (Mud floor)	Lime dust	Biannual
			Diluted Formaline Spray	Annual
		Door Step	Lime/Potassium	Daily
			Permangnate Solution	
		Incubator/ Brooding House	Fumigation with formaline + P.P.	As required seasonally

Note :- Drinking Water and tubs of all species are treated with Bleeching powder to reduced the load of various worms/ parasites.

जूनोटिक बीमारी के लिए कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच :–

S.No.	Name	Designation	Date of Health check up	Findings of Health checkup
1.	Dr. Himanshu Pangti	Veterinarian	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
2.	Mr. Vikram Singh Mehra	Pharmacist	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
3.	Mr. Bharat Mashiwal	Pharmacist (Rescue Center)	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
4.	Mr. Puskar Singh Mehra	(Forester) Supervisor	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
5.	Mr. Rajendra Kumar Joshi	(Forester) Supervisor	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
6.	Mr. Mahesh Singh Bora	(Forester) Supervisor	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
7.	Mr. Shiv Bahadur	Cook	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
8.	Mr. Tus Bahadur	Food Distributor	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
9.	Mr. Amar Bahadur	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
10.	Mr. Naveen Manral	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-

S.No.	Name	Designation	Date of Health check up	Findings of Health checkup
11.	Mr. Ajay Shri	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
12.	Mr. Pratap Ram	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	
13.	Mr. Yogesh Kumar	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
14.	Mr. Sandeep Kumar	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
15.	Mr. Prakash Singh Rawat	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
16.	Mr. Govind Singh	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
17.	Mr. Kripal Singh	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
18.	Mr. Manish Bisht	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
19.	Mr. Kamal Singh Bisht	Keeper	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-

बाड़ों का समृद्धीकरण (Enrichment) कार्यक्रम :–

- प्राणी उद्यान में स्थित बंगाल टाईगर के बाड़ें में विभिन्न प्रकार के समृद्धीकरण कार्यों को सम्पन्न किया गया। जिसके अर्न्तगत बाडों में वुडन लॉग, सैन्ड बाथ, बैठने हेतु मचान एवं भव्य आकृति के पत्थरों को डाला गया।
- गुलदार के बाडों में उनके बैठने के लिए पर्च, मचान एवं खेलने हेतु झूले का निर्माण किया गया।
- रेड पाण्डा के संरक्षण–संवर्द्धन एवं प्रजनन कार्यक्रम में नैनीताल प्राणी उद्यान दार्जिलिंग प्राणी उद्यान का "Partricipatry Zoo" है। इसी क्रम में भविष्य हेतु रेड पाण्डा के सफल प्रजनन एवं संरक्षण हेतु प्राणी उद्यान के अर्न्तगत "ब्रीडिंग एवं कंजरवेशन सेन्टर" के निर्माण का कार्य किया गया था। रेड पाण्डा के सफल प्रजजन में वृद्धि अनुसार समृद्धीकरण की दृष्टि से नवनिर्मित बाडें में नेस्ट हाउस, मचान, पर्च एवं एरियल पाथ का निर्माण एवं बांस प्रजाति के रिंगाल का रोपण किया गया।

- प्राणी उद्यान में विद्यमान जुगाली करने वाले वन्य प्राणियों जैसे– ब्लू शीप, मारखोर, काकड़, घुरल, सांभर आदि के लिए दिये जाने वाले खाद्य जैसे घास को वृक्षों की टहनियों एवं कृत्रिम रूप से बनाये गये मचानों में रखा जाना सुनिश्चित किया गया। जिससे की वन्य प्राणियों में उनका प्राकृतिक स्वभाव नियत रहे।
- प्राणी उद्यान में विद्यमान विभिन्न प्रकार की फीजैन्ट एवं अन्य पक्षी प्रजातियों हेतु विभिन्न प्रकार के पर्च, झूले, सीढ़ियां, लकडी के लॉग, सैन्ड बाथ एवं विभिन्न प्रकार की हरी झाडियों को अवस्थापित किया गया।

शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम :–

दिनांक 23.08.2020 को डॉ0 कपिल जोशी, अपर प्रमुख वन संरक्षक की अध्यक्षता में 11 आई0ए0एस, पी0सी0एस0 तथा आई0एफ0एस0 प्रशिक्षणार्थियों के दल को नैनीताल प्राणी उद्यान का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के समय प्राणी उद्यान के वन क्षेत्राधिकारी, श्री अजय सिंह रावत, उप वन क्षेत्राधिकारी, श्री दीपक कुमार तिवारी, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, डॉ0 हिमांशु पांगती तथा समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिनांक 28.09.2020 को नैनीताल प्राणी उद्यान के सभागार में NMH परियोजना Dispersal communication and conservation strategies for Tiger in Kumaon Himalayas of Uttarakhand, India अर्न्तगत प्रशिक्षण कार्यक्रम का हल्द्वानी जू सफारी द्वारा आयोजन किया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में नैनीताल वन प्रभाग, नैनीताल के समस्त रेन्जों के फील्ड कर्मी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री गोपाल सिंह कार्की, सेवानिवृत्त, प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा कैमरा ट्रैप व जी0पी0एस0 के बारें में विस्तार से फील्ड कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा द्वितीय सत्र में प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तिम चरण में श्री अतुल कुमार भगत द्वारा ड्रोन का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री अतुल कुमार भगत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री अजय रावत, वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान, नैनीताल, श्री घनानन्द चनियाल, वन क्षेत्राधिकारी, हल्द्वानी जू सफारी, हल्द्वानी, श्री हरीश पाण्डे, वन क्षेत्राधिकारी, सुल्ताननगरी, लीसा डिपो, हल्द्वानी तथा समस्त कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित रहे।

दिनांक 18.01.2021 को नैनीताल प्राणी उद्यान के सभागार में मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ उत्तराखण्ड, नैनीताल डॉ0 तेजस्विनी अरविन्द पाटील के द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में Avian Influenza (बर्ड फ्लू) से सम्बन्धित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में नैनीताल प्राणी उद्यान तथा नैनीताल वन प्रभाग की समस्त रेन्जों के अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ पशुचिकित्साधिकारी डॉ0 हिमांशु पांगती एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री कल्याण सिंह सजवान के द्वारा समस्त प्रतिभागियों को Avian Influenza (बर्ड फ्लू) के लक्षण उनसे बचाव तथा बीमार पक्षियों के नमूनों को सावधानी पूर्वक संग्रहण से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी। वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊँ वृत्त, उत्तराखण्ड, श्री कुबेर सिंह बिष्ट के द्वारा समस्त स्टाफ को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्रों में सघन गस्त आदि करते हुए पक्षी बाहुल्य क्षेत्रों में सर्तकता रखे तथा किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित होने पर अथवा सूचना प्राप्त होने पर तुरन्त कार्यवाही करते हुए सावधानी पूर्वक गाइडलाईन (SOP) का पालन करते हुए सैम्पल एकत्रित कर सूचना प्रेषित करें। प्रशिक्षण सत्र के समापन के अवसर पर बोलते हुए प्रभागीय वनाधिकारी, नैनीताल वन प्रभाग, नैनीताल

श्री टी0आर0 बीजूलाल के द्वारा समस्त वन क्षेत्राधिकारियों तथा उपस्थित फील्ड स्टाफ को निर्देशित किया गया कि Avian Influenza (बर्ड फ्लू) के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाये तथा प्रतिदिन प्रेषित की जाने वाली रिर्पोट सही प्रारूप में भरकर समय पर उच्च स्तर को प्रेषित की जाये। कार्यक्रम का संचालन श्री दीपक कुमार तिवारी, उप वन क्षेत्राधिकारी, नैनीताल प्राणी उद्यान द्वारा किया जाय। कार्यक्रम में नैनीताल वन प्रभाग की समस्त रेन्जों तथा प्राणी उद्यान नैनीताल के 70 अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिनांक 22.01.2021 को भारत सरकार वन एवं पर्यावरण की परियोजना National Mission on Himalayan studies अर्न्तगत हल्द्वानी जू सफारी को प्राप्त परियोजना "Community based human-snake conflict mitigation in Kumaon Himalayas of Uttarakhand India" में नैनीताल वन प्रभाग, नैनीताल के अर्न्तगत कोसी, नैना, नगरपालिका, नैनीताल प्राणी उद्यान व हिमालयन बोटैनिकल गार्डन के फील्ड कर्मचारियों व अधिकारियों को सांप को पकडने व सांपों को पहचाने के सम्बन्ध में श्री जिज्ञान्सु डोलिया, सांप विशेषज्ञ (SRF) द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। श्री जिज्ञान्सु डोलिया, सांप विशेषज्ञ (SRF) विषैले व विषहीन सांपों के बारें में विस्तार से समझाया गया तथा उत्तराखण्ड में पाये जाने वाले विषैले व विषहीन सांपों के बारें में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समझाया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन श्री अतुल भगत द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री अजय सिंह रावत, वन क्षेत्राधिकारी, नैनीताल प्राणी उद्यान, श्री जी0एन0 चनियाल, वन क्षेत्राधिकारी, हल्द्वानी जू सफारी, श्री डी0एन0 सुनाल, हल्द्वानी जू सफारी, श्री धरम सिंह बोनाल, श्री राजेन्द्र कुमार जोशी, श्री अरविन्द कुमार एवं 60 अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिनांक 03.02.2021 को वानिकी प्रशिक्षण संस्थान हल्द्वानी से 21 वन दरोगा, 29 वन रक्षक एवं 02 सत्र संचालक के दल को प्राणी उद्यान का निःशुल्क भ्रमण कराया गया। जिनको वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान द्वारा प्राणी उद्यान में विद्यमान वन्य प्राणियों एवं प्राणी उद्यान के बारे में विस्तार से बताया गया।

दिनांक 05.02.2021 को हल्द्वानी से 401 वन क्षेत्राधिकारियों के दल को प्राणी उद्यान का निःशुल्क भ्रमण कराया गया। जिनको वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान द्वारा प्राणी उद्यान में विद्यमान वन्य प्राणियों एवं प्राणी उद्यान के बारे में विस्तार से बताया गया।

दिनांक 13.02.2021 को प्राणी उद्यान, नैनीताल के सभागार में प्राणी उद्यान के कीपर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान, वरिष्ठ पशुचिकित्साधिकारी एवं उप वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान द्वारा वन्य प्राणियों के रखरखाव एवं स्वास्थ्य उपचार के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया।

दिनांक 27.02.2021 को इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी, उत्तराखण्ड में परिविक्षाधीन 32 भारतीय वन सेवा एवं 02 संकाय सदस्यों के दल को प्राणी उद्यान, नैनीताल एवं हिमालयन बोटैनिकल गार्डन नारायण नगर का शैक्षिक भम्रण कराया गया। जिसमें डॉ0 तेजस्विनी अरविन्द पाटील, मुख्य वन संरक्षक कुमाऊँ, नैनीताल व श्री टी0आर0 बीजूलाल, निदेशक प्राणी उद्यान, नैनीताल के द्वारा नैनीताल प्राणी उद्यान प्रबन्धन, रैस्क्यू एवं वेटनरी सेक्शन के बारें में जानकारी दी गयी।

दिनांक 10.09.2020 को नैनीताल प्राणी उद्यान में भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त, स्वतन्त्रता संग्राम सैनानी का जन्म दिवस सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मनाया गया। इस अवसर पर प्राणी उद्यान के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त समय–समय पर अति महत्त्वपूर्ण गणमान्य अतिथिगणों द्वारा प्राणी उद्यान, नैनीताल का भ्रमण किया जाता है।

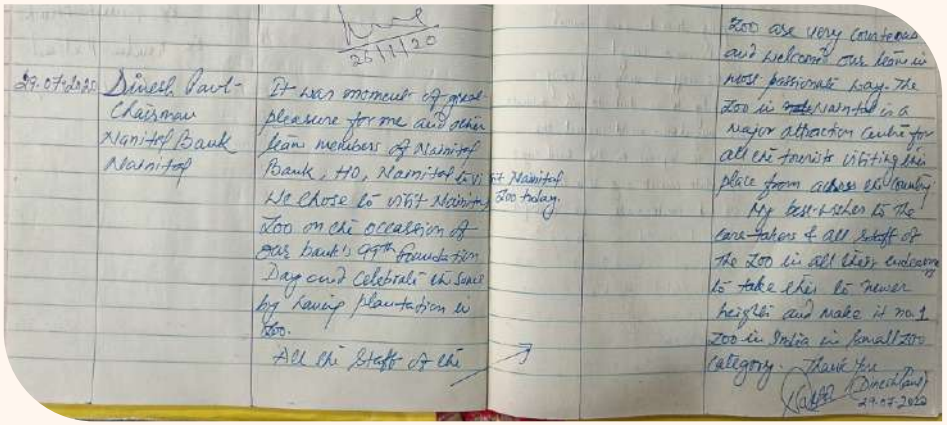

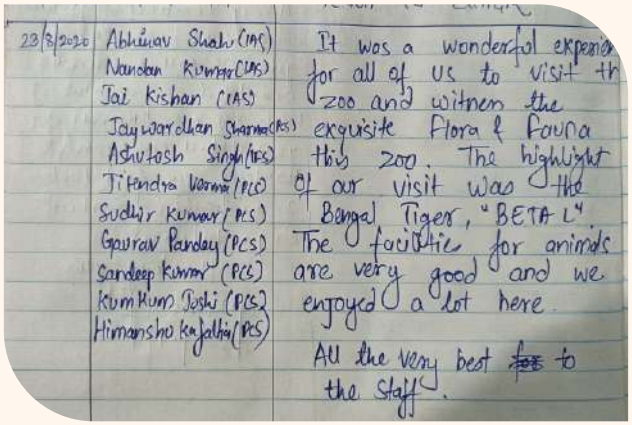

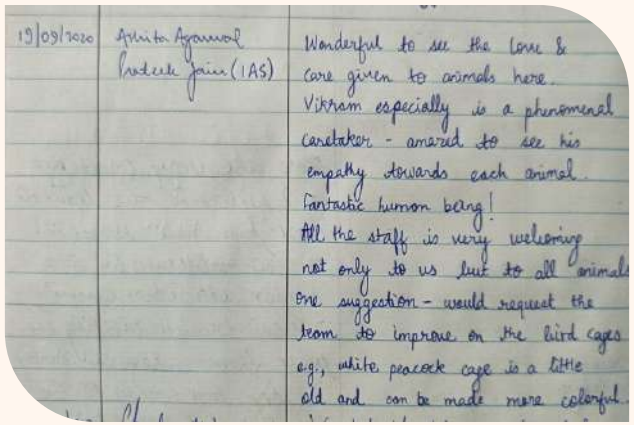

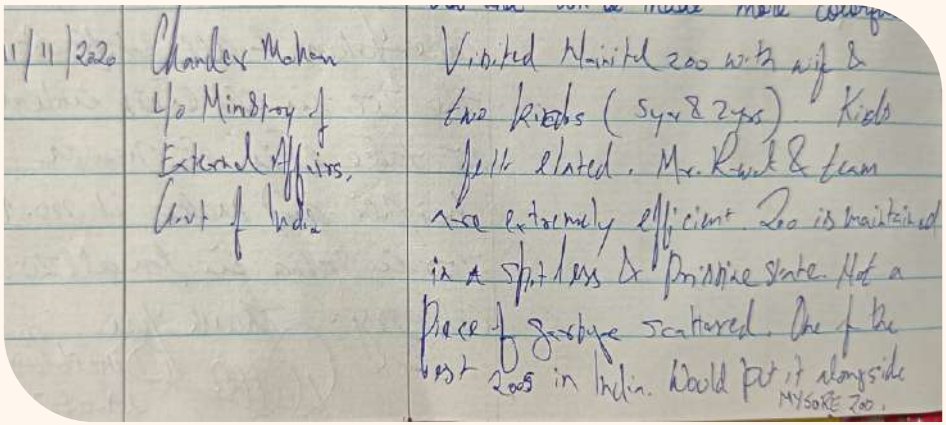

पर्यावरण दिवस (05 जून, 2020) :–

हनुमानगढ़ी ईको पार्क, नैनीताल में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ, उत्तराखण्ड डॉ0 विवेक पाण्डेय एवं मुख्य वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊँ वृत्त डॉ0 तेजस्विनी अरविन्द पाटिल के द्वारा पौधा रोपण कर किया गया।

हनुमानगढ़ी ईको पार्क में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में श्री के0सी तिवारी, उप प्रभागीय वनाधिकारी, नैनीताल, श्रीमती ममता चन्द, वन क्षेत्राधिकारी, नैना रेंज, श्री प्रमोद तिवारी वन क्षेत्राधिकारी, नगरपालिका रेंज, श्री दीपक कुमार तिवारी, उप वन क्षेत्राधिकारी, श्री धरम सिंह बोनाल, उप वन क्षेत्राधिकारी एवं प्राणी उद्यान/नैना रेंज/नगरपालिका के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया गया।

इस अवसर पर श्री टी0आर0 बीजूलाल, प्रभागीय वनाधिकारी, नैनीताल/निदेशक, प्राणी उद्यान, नैनीताल के निर्देशन में नैनीताल वन प्रभाग अर्न्तगत प्राणी उद्यान, नैनीताल एवं हिमालयन बोटैनिकल गार्डन के साथ–साथ विभिन्न रेंजों में सभी अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा वृक्षारोपण तथा सफाई कार्य किया गया।

योग दिवस (21 जून, 2020) :–

दिनांक 21.06.2020 को प्राणी उद्यान, नैनीताल में अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। जिसमें निदेशक, प्राणी उद्यान की अध्यक्षता में नैनीताल प्राणी उद्यान के अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा योग किया गया। उक्त कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी, प्राणी उद्यान नैनीताल द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस दौरान कोरोना वायरस (कोविड–19) के नियमों का पूर्णतः पालन किया गया।

वन्य प्राणी सप्ताह 2020 (01 से 08 अक्टूबर, 2020) :–

नैनीताल प्राणी उद्यान में वन्य प्राणी सप्ताह–2020 के अवसर पर वन्य प्राणियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 01.10.2020 से 07.10.2020 तक कोविड–19 की परिस्थितियों के चलते ऑन लाईन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

ऑन लाईन प्रतियोगिता में सम्पूर्ण भारतवर्ष के किसी भी विद्यालय के छात्र/छात्रा प्रतिभाग कर सकते थे, जिसके फलस्वरूप विभिन्न राज्यों के स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 02.10.2020 को वन्य प्राणी सप्ताह 2020 के द्वितीय दिवस के प्रथम चरण में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों का अनावरण एवं माल्यार्पण कर उनकी प्रिय राम धुन का गायन किया गया एवं समस्त स्टाफ द्वारा इस अवसर पर प्राणी उद्यान परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्राणी उद्यान के एनिमल कीपर्स के मध्य कीपर्स टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त एनिमल कीपर्स द्वारा वन्य प्राणियों के देख रेख का अनुभव एवं विचार साझा किया गया। इसके अतिरिक्त 527 बच्चों को निःशुल्क प्राणी उद्यान का भ्रमण कराकर वन्य प्राणियों से सम्बन्धित जानकारी दी गयी।

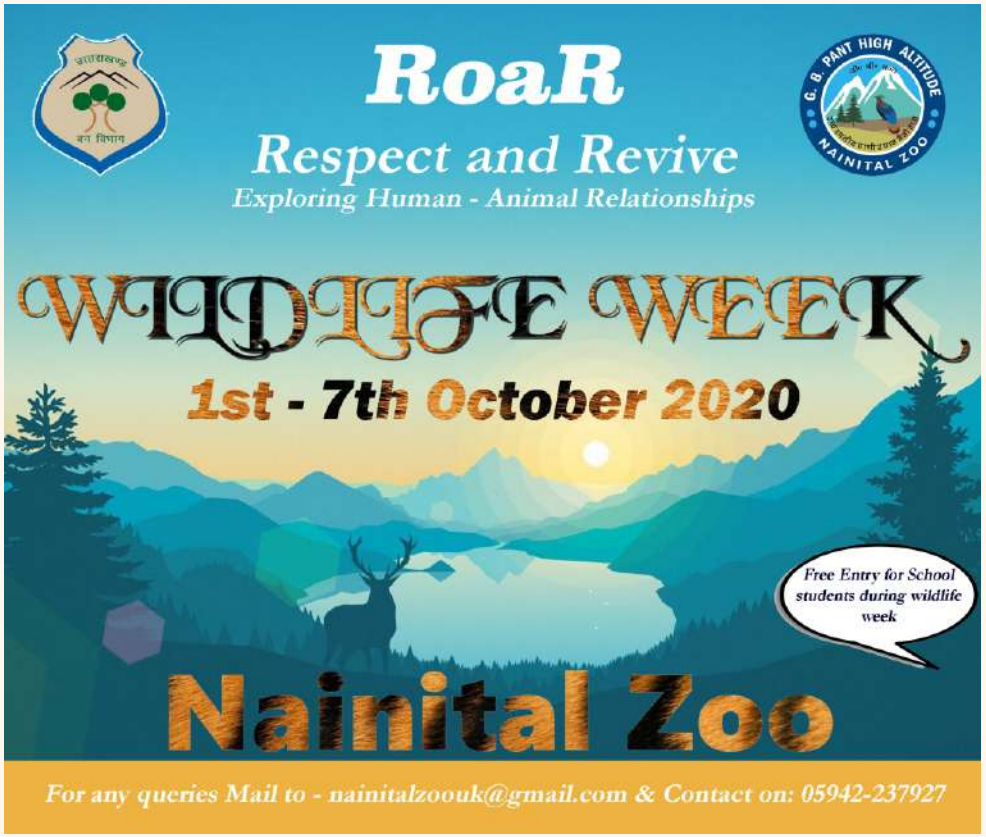

वन्य प्राणियों के रखरखाव के लिए ऋतुवार विशेष व्यवस्था :–

प्राणी उद्यान में वन्य प्राणियों को सीमित स्थान वाले बाड़ों में रखा गया हैं। इसलिए वन्य प्राणियों के बाड़ों को उनके प्राकृत आवास के अनुरूप तथा स्वच्छंद विचरण के अनुकूल बनाने हेतु बाड़ों में लकड़ी के पर्च, बांस/रिंगाल के झूले, मचान, लकड़ी के छोटे–बड़े टुकडे, छिपने हेतु झाड़ियां एवं झोपडियों आदि को समायोजित किया गया। इसके अतिरिक्त वन्य प्राणियों की गतिविधियों को बढ़ाने हेतु उनके आहार में अंकुरित बीज, फलों व अन्य खाद्य–पदार्थो को बाड़े के भीतर विभिन्न स्थानों पर रखा जाता हैं। विभिन्न ऋतुओं के दृष्टिगत वन्य प्राणियों को प्रोटीन एवं ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से उनके दैनिक आहार में खाद्य पूरकों का भी समावेश विभिन्न विधियों द्वारा किया जाता है।

शोध कार्य :–

वन्य प्राणियों के संरक्षण, संर्वद्धन एवं प्रजनन कार्यो में शोध कार्य का विशेष महत्व है। शिक्षा एवं अध्ययन कार्यों में भी शोध कार्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राणी उद्यान, नैनीताल देश एवं विदेशों के प्रख्यात विश्वविद्यालय एवं संस्थानों से आये हुए विभिन्न विधाओं के शोधार्थियों को मुख्यतः उच्च स्थलीय वन्य प्राणियों से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर शोध कार्य करने हेतु एक उपयुक्त स्थान एवं वातावरण प्रदान करता है। विगत वर्षो में प्राणी उद्यान, नैनीताल द्वारा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, विभिन्न भारतीय वन्यजीव, पशु चिकित्सा संस्थान, कुमाऊँ विश्वविद्यालय एवं विदेशों से आने वाले शोधार्थियों को शोध कार्य में भी सहायता प्रदान की जाती है। विभिन्न भारतीय वन्यजीव, पशु चिकित्सा संस्थान, कुमाऊँ विश्वविद्यालय एवं विदेशों से आने वाले शोधार्थियों को शोध कार्य में भी सहायता प्रदान की जाती है।

संरक्षण एवं प्रजनन कार्यक्रम :–

विभिन्न वन्य प्राणियों के संरक्षण, संर्वद्धन एवं प्रजनन कार्य किसी भी प्राणी उद्यान का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। प्राणी उद्यान, नैनीताल में भी विभिन्न विदेशी एवं स्वदेशी अनूसूचित/विलुप्त प्रायः वन्य प्राणियों में प्रजनन कार्य सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। उक्त प्रजनन कार्य विशेषतः स्तनपायी वन्यजीव जैसे रेड पाण्डा, ब्लू शीप, काकड़, हिमालयन घुरल तथा पक्षियों में भारतीय मोर, कलीज, चीर फीजैन्ट, रेड जंगल फाउल तथा विदेशी नस्लों में गोल्डन फीजैन्ट, सिल्वर फीजैन्ट, लेडी एमहर्स्ट इत्यादि में संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में विगत वर्षो में नैनीताल प्राणी उद्यान द्वारा रेड पाण्डा, ब्लू शीप, हॉग डियर, कलीज फीजैन्ट, रेड जंगल फाउल, चीर फीजैन्ट आदि का प्रजनन एवं संरक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत सफलतापूर्वक पाया गया है।

स्वास्थ्य रक्षा :–

वन्य प्राणियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं बचाव हेतु प्राणी उद्यान, नैनीताल में एक वन्य प्राणी पशु चिकित्सालय है। यहां पर विनिमय के तहत आने वाले वन्य प्राणियों को, प्राणी उद्यान में जन्म लेने वाले प्राणियों तथा रैस्क्यू से बचाये हुए वन्य प्राणियों की निगरानी व उपचार के कार्य सम्पन्न किये जाते है, साथ ही घातक बीमारियों का निदान करने हेतु समय–समय पर वैक्सीनेशन और डीवर्मिंग की जाती है।

वन्य प्राणी चिकित्सालय की आधारित संरचना :–

- पशु चिकित्साधिकारी कक्ष
- "एक्स रे" कक्ष
- शल्य क्रिया एवं प्रयोगशाला कक्ष
- इन्क्यूबेटर–ब्रूडिंग कक्ष
- एनिमल वार्ड, क्वारन्टाईन वार्ड, पोस्ट मार्टम हाउस
- वन्य प्राणी बचाव (रैस्क्यू) सामग्री कक्ष

वन्य प्राणी चिकित्सालय में उपलब्ध विशिष्ट उपकरण :–

- इन्टैनसिव केयर यूनिट (आई0सी0यू0)
- यूरिन एनालाइजर
- नेबुलाइजर मशीन
- डिजीटल फीजैन्ट इन्क्यूबेटर

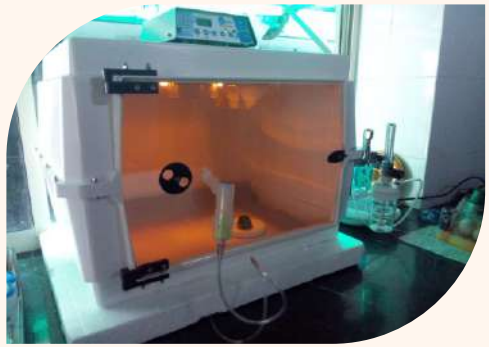

प्राणी उद्यान, नैनीताल में जन्में हुए वन्य प्राणी :–

- काकड
- हॉग डियर
- ब्लू शीप
- कलीज फीजैन्ट
- रेड जंगल फाउल
- चीर फीजैन्ट

वन्य प्राणियों का विनिमयीकरणः –

वर्ष 2020-21 में नैनीताल प्राणी उद्यान द्वारा निम्न वन्य प्राणियों का सफलतापूर्वक विनिमय किया गया।

A	**Animals arriving in the Zoo**				
	H.No.	Species	Number (M:F)	From which Zoo	Date of arrival in the Zoo
		-	-	-	-
B	**Animals going from the Zoo**				
	H.No.	Species	Number (M:F)	From which Zoo	Date of arrival in the Zoo
		-	-	-	-

वन्य प्राणियों का बचाव एवं पुर्नवास :–

S.N.	Date of Rescue	Species with number of animals rescued with their sex (M:F:U:T)	Received from	Date of submission of Report to the CWLW/CZA	Action Taken	
					Date and Place of rehabilitation in their habitat	Reasons for Housing in the zoo if not released in their habitat
1	20.07.2020	Black Kite (0:1:0:1)	Ranibhag Rescue Center	-		-
2	20.07.2020	Step eagle (1:0:0:1)	Ranibhag Rescue Center	-		-
3	10.10.2020	Bengal Tiger (0:1:0:1)	Ranibhag Rescue Center	-		-
4	11.11.2020	Flying Squirrel (0:0:0:0)			18.11.2020	-
5	19.01.2021	Gural (0:0:0:0)	Naina Range		29.01.2021 Naina rage	-
6	29.03.2021	Step Eagle (0:0:0:0)	Mangoli		05.04.2021 Mangoli	-

वन्य प्राणियों की सूची 2020-21 :–

नैनीताल प्राणी उद्यान के वन्य प्राणियों की वार्षिक सूची निम्न प्रकार है :–

Form-II

[See rule 11(1)]

Part - A

Inventory Report for the Year : 2020-2021

Endangered Species																				
S.N	ANIMAL NAME	OPENING STOCK				BIRTH			ACQUISITION			DISPOSAL			DEATHS			CLOSING STOCK			
		M	F	U	T	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	T
1.	Peafowl	2	2	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2	0	4
2.	Cheer Pheasant	5	5	0	10	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	6	0	12
3.	Kalij Pheasant	8	4	0	12	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	9	4	0	13
4.	Monal Pheasant	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	1	0	3
	Total Birds	**17**	**12**	**0**	**29**	**2**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**19**	**13**	**0**	**32**
1.	Himalayan Black Bear	1	3	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	3	0	4
2.	Common Palm Civet	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
3.	Himalayan Palm Civet	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2
4.	Leopard (Panther)	4	3	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	3	0	7
5.	Makhor	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
6.	Yellow Throated Marten	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0
7.	Red Panda	3	3	0	6	0	0	2	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2	3	2	7
8.	Blue Sheep (Bharal)	1	1	0	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	0	3
9.	Bangal Tiger	1	2	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	0	3
10.	Tibetan Wolf	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
	Total Mammal	**15**	**15**	**0**	**30**	**0**	**1**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**14**	**15**	**2**	**31**
	Total Animal	**32**	**27**	**0**	**59**	**2**	**3**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**2**	**0**	**33**	**28**	**2**	**63**

Animal under Schedule I and Schedule II of the Wild Life (Protection) Act, 1972

Part - B

Inventory Report for the Year : 2020-2021

Other than Endargered Species

S.N	ANIMAL NAME	OPENING STOCK				BIRTH			ACQUISITION			DISPOSAL			DEATHS			CLOSING STOCK			
		M	F	U	T	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	T
1.	Red Jungle Fowl	8	5	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	5	0	13
2.	Black Kite	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1
3.	Rose Ring Parakeet	13	9	0	22	0	0	0	0	0	0	5	3	0	0	0	0	8	6	0	14
4.	Hill Partidge	0	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1
5.	Edward Pheasant	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
6.	Golden Pheasant	7	2	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0		1	0	0	6	2	0	8
7.	Cockatail	17	15	0	32	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	17	15	0	32
8.	Sun Conure	3	1	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	1	0	4
9.	Love Birds	19	19	2	40	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	3	0	14	16	2	32
10.	Blue & Yellow Macaw	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
11.	Lady Amherset Pheasant	6	8	0	14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	6	7	0	13
12.	Bridgerigar	0	0	6	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	6
13.	Asian Barred Owlet	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1
14.	Silver Pheasant	3	3	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2	3	0	5
	Total Birds	**77**	**63**	**12**	**152**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**	**3**	**0**	**7**	**4**	**1**	**65**	**56**	**11**	**132**
1.	Barking Deer (Kakar)	4	3	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	3	0	7
2.	Sambar Deer	1	3	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	3	0	4
3.	Spotted Deer (Chital)	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
4.	Goral	3	3	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	3	0	6
5.	Hog Deer	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2
	Total Mammal	**8**	**10**	**0**	**18**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**9**	**11**	**0**	**20**
	Total Animal	**85**	**73**	**12**	**170**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**5**	**3**	**0**	**7**	**4**	**1**	**74**	**67**	**11**	**152**
	Grand total	**117**	**100**	**12**	**229**	**3**	**4**	**2**	**0**	**0**	**0**	**5**	**3**	**0**	**8**	**6**	**1**	**107**	**95**	**13**	**215**

वन्य प्राणियों की मृत्यु दर :–

S.N.	Animal Name	Sex	Date of Death	Death Reason
1.	Hill Partridge	F	15-June-2020	"Senile atrophy"
2.	Red Panda	M	04-Aug-2020	"infection in cerebrospinal region"
3.	Kalij Pheasant	F	14-Sep-2020	"Fracture of skull bone, Pheasant would be in shock and dead"
4.	Lady Amherst Pheasant	F	16-Oct-2020	"Senile atrophy"
5.	Silver Pheasant	M	14-Nov-2020	"High bacterial load"
6.	Love Bird	M:F	23-Nov-2020	"Old age and infighting between birds"
7.	Love Bird	02 M	27-Dec-2020	"Old age, Infighting and Senile atrophy"
8.	Love Bird	M:F	29-Dec-2020	"Old age and Senile atrophy"
9.	Golden Pheasant	M	04-Jan-2021	"shock"
10.	Love Bird	M:F	15-Mar-2021	"Senile atrophy"
11.	Himalayan Marten	F	21-Mar-2021	"Senile atrophy"

प्राणी उद्यान में मुक्त विचरण करने वाले वन्य प्राणियों की सूची :–

A. Monkey, Langur, Yellow throated marten, Himalayan palm civet, Leopard cat etc.

B. House Sparrow, Black-throated Tit, Common Myna, Rock pigeon, Red billed blue magpai, Jay species, Himalayan griffin, Black kite, Steppe eagle, Crow, Kalij Pheasant etc.

C. Commonrat snake and various species of lizards.

नेचर इण्टरप्रिटेशन सेन्टर

जी0बी0 पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान में जनसाधारण, शैक्षिक संस्थानों, विद्यालयों इत्यादि में वन्य प्राणियों के प्रति एवं पर्यावरण के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने हेतु नेचर इण्टरप्रिटेशन सेन्टर का निर्माण 12 महत्वपूर्ण उद्देश्यों के साथ किया गया।

1. Mother Earth (पृथ्वी माँ)
2. Origin of Earth (पृथ्वी की उत्पति)
3. Solar System (सौर मण्डल)
4. Earth Atmosphere (पृथ्वी का वायुमण्डल)
5. Human Evolution (मानव विकास)
6. Plant Kingdom (पादप जगत)
7. Animal Kingdom (जन्तु जगत)
8. Ecological Succession (पारिस्थितिकी अनुक्रमण)
9. Our Nainital & Altitudinal Zonation (हमारा नैनीताल और एल्टीट्यूड जोनेशन)
10. Forest fire & Animal Rescue (वनाग्नि और वन्य प्राणी बचाव कार्यक्रम)
11. Pollution, Climate change and water Conservation (प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जल संरक्षण)
12. Constitution of India (भारत का संविधान)

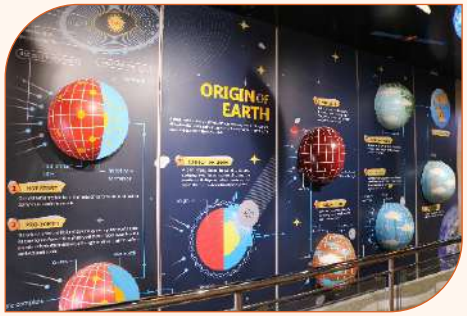

ट्रांजिट एण्ड ट्रीटमैन्ट रेस्क्यू सैन्टर, रानीबाग

उत्तराखण्ड राज्य के परिपेक्ष में वन एवं वन्यजीवों की अत्यधिक महत्ता है। वन एंव वन्यजीवों की सम्पन्नता उत्तराखण्ड राज्य की धरोहर है। वर्तमान में उक्त धरोहर को सजोकर रखना एंव इसका संवर्धन करना वन विभाग का दायित्व है।

मानव की आवश्यकताओं ने जहाँ एक ओर वनों के आकार को कम किया हैं वहीं दूसरी ओर वन्य प्राणियों के अस्तित्व एवं प्राकृतिक वास पर भी प्रभाव डाला हैं। जिसके फलस्वरूप मानव की आवश्यकताओं के कारण ही मानव – वन्यजीव संघर्ष का जन्म हुआ है। इस प्रकार वन्य जीवों ने मनुष्य की आबादी में घुसपैठ कर मनुष्यों को क्षति पहुँचायी है। वही वन्य जीव भी मानव – वन्यजीव संघर्ष के दोरान चौटिल होते है। चौटिल के अस्वरूप वन्यजीवों की सुरक्षा एंव उपचार का दायित्व वन विभाग का है। इसी तथ्य को विचार कर वन विभाग ने वन्यजीवों के उपचार हेतु "ट्रांजिट एण्ड ट्रीटमैन्ट रेस्क्यू सैन्टर" की अवधारणा को अमल में लाते हुए नैनीताल वन प्रभाग, नैनीताल मे मनोरा वन क्षेत्र के अर्न्तगत रानीबाग नामक स्थान पर ट्रांजिट एण्ड ट्रीटमैन्ट रेस्क्यू सैन्टर की स्थापना का कार्य वर्ष 2010 में आरम्भ किया गया।

ट्रांजिट एण्ड ट्रीटमैन्ट रेस्क्यू सैन्टर, रानीबाग में कई वन्यजीवों जैसे लैपर्ड, काकड़, सांभर, चीतल, किगं कोबरा, अजगर, बार्न आउल, मोर आदि वन्यजीवों को रेस्क्यू कर उनका उपचार करके वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास स्थान आरक्षित वन में सुरक्षित छोड़ा गया तथा कुछ वन्यजीवों को नैनीताल जू में भेजा गया जो वर्तमान में आर्कषण के केन्द्र बने हुए है।

मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड, शासन द्वारा समय समय पर मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम हेतु वन विभाग को आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। इस क्रम में बंदर/लंगूरों की समस्या से जन समान्य को निजात दिलाने हेतु सुविधायें विकसित करने के निर्देश प्राप्त हुए है।

नैनीताल वन प्रभाग द्वारा नैनीताल स्थित ट्रांजिट एण्ड ट्रीटमैन्ट रेस्क्यू सैन्टर, रानीबाग में एक बंदर बाड़ा निर्मित किया गया तथा बंदरो के बध्याकरण हेतु केन्द्र का

आधारभूत ढाँचा तैयार किया गया हैं। बानर बध्याकरण हेतु मशीनों को प्राप्त कर बध्याकरण कार्य प्रगतिशील है। नैनीताल वन प्रभाग समय समय पर पशु चिकित्सक द्वारा रैस्क्यू सेन्टर में उपस्थित वन्यजीवों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है।

बानर बध्याकरण कार्ययोजना :–

विगत कई वर्षो से से बन्दर एवं लंगूरों का समुचित वैज्ञानिक प्रबन्धन न होने के कारण इनकी निरन्तर बढ़ती आबादी ने वास्तव में एक अत्यधिक गम्भीर स्थिति उत्पन्न कर दी है। अत्यधिक बढ़ी संख्या में बन्दर एवं लंगूरों द्वारा कस्बों, ग्रामों में स्थित विद्यालयों, रिहायशी क्षेत्रों, होटलों एवं कार्यालय परिसरों में प्रवेश करने की घटना प्रकाश में आ रही है। नैनीताल एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों के निवासियों के द्वारा आतंकित बन्दरों/लंगूरों से निजात पाने के लिए प्रत्यावेदनों एवं दूरभाष द्वारा समय–समय पर अनुरोध किया गया है। बन्दर एवं लगूरों की गम्भीर स्थिति से निपटने के लिए रानीबाग स्थित रानीबाग रैस्क्यू सेन्टर में बानर बध्याकरण केन्द्र का निर्माण कर बानर बध्याकरण प्रक्रिया को वर्तमान में सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। जिसके अर्न्तगत अनुभवी वन्यजीव पशुचिकित्सकों द्वारा बन्दरों का बध्याकरण कर व उपचार कर उन्हें पुनः उनके प्राकृत वास में छोड़ा जा रहा है।

विशेषताऐं :–

1. यह बानर बध्याकरण केन्द्र राज्य का दूसरा और कुमाऊँ का पहला केन्द्र है।
2. बानर बध्याकरण केन्द्र की स्थापना वर्ष 2017 में हुई और पहला बानर बध्याकरण सर्जरी 12 मार्च, 2018 से शुरू हुआ।
3. इस केन्द्र में प्रति वर्ष 4000-5000 बानर बध्याकरण किया जाता है। मौजूदा सेटअप में वृद्धि के साथ बाद में सर्जरी की संख्या में वृद्धि की जायेगी।
4. बानर बध्याकरण में अग्रिम उच्च तकनीक उपलब्ध है। जैसे– लैप्रोस्कोप और थर्मोकॉटरी ईकाई।
5. नर और मादा बन्दरों का एक ही ऑपरेशन थिएटर में बध्याकरण किया जा सकता है। क्योंकि नर और मादा बन्दरों के अलग–अलग सेटअप किया गया है।
6. वर्ष 2020-21 में कुल 4612 बानर बध्याकरण हेतु पकड़े गये उनमें से 3919 बानरों का बध्याकरण किया गया, और शेष 693 बानरों का बध्याकरण विशेष कारणों से नहीं किया गया, एवं बानर बध्याकरण के उपरान्त उनके प्राकृत आवास में छोडा गया।
7. वर्ष 2020-21 में 29 सांपों एवं 26 वन्य प्राणियों को सफलतापूर्वक रैस्क्यू किया गया।

SHOT ON REDMI 7
DUAL CAMERA

हिमालयन बोटैनिकल गार्डन

हिमालयन बोटैनिकल गार्डन (HBG) समुद्र सतह से 1700 मीटर से 2100 मीटर ऊँचाई के मध्य सड़ियाताल झील के जलग्राही क्षेत्र में लगभग 26.9 है0 क्षेत्र में फैला हुआ भू–भाग है जो मुख्यतया रक्षित एवं आरक्षित वन है। गार्डन में हिमालयी दुर्लभ एवं संकटापन्न पादप समुदाय के संरक्षण, विकास, जागरूकता आदि के साथ–साथ वैज्ञानिकों के लिए शोध के अवसर एवं विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। पारिस्थितकीय पर्यटन की ओर अग्रसर पर्यटकों के लिए यह एक पारिस्थितिक शिक्षा केन्द्र भी है तथा साथ ही क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को जीवीकोपार्जन के अवसर भी प्रदान करता है। गार्डन के क्षेत्र में स्थानीय वन्यजीव व पक्षी प्रजातियाँ भी पर्याप्त संख्या में देखी जाती हैं। यह क्षेत्र अतीत के पत्थर, रोड़ा, बजरी, चूना लोहा और अयस्क के खुदान एंव अनियन्त्रित अतिदोहन से अति भू–क्षरण ग्रस्त एंव अल्प वानस्पतिक झाड़ीयुक्त अति जैव दबाव ग्रस्त होने के कारण पूर्व से ही भू–क्षरण ग्रस्त था। इस क्षेत्र के भूकटाव से सड़ियाताल झील पट चुकी थी तथा क्षेत्र के प्राकृतिक जलश्रोंत सूख चुके थे। इस अवनत क्षेत्र की जैवसम्पदा की पुनर्स्थापना एंव क्षेत्र को एक प्राकृतिक शिक्षा केन्द्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से हिमालयन बोटैनिकल गार्डन (HBG) की स्थापना वर्ष 2005 में की गयी है।

संरचनाएं :–

1. बटरफ्लाई पार्क
2. दुर्लभ औषधीय पादप।
3. आर्बोरेटम
4. फर्नेटम एवं आर्किडेरियम
5. जियोडैसिक डोम
6. बर्ड वाचिंग एवं वाईल्ड लाईफ ट्रेल
7. एक्वेटिक गार्डन
8. नेचर शॉप व जलपान ग्रह
9. हरबेरियम
10. पुस्तकालय
11. ऑडिटोरियम व इन्टर प्रिटेशन सेन्टर
12. बैम्बू हट

1. बटरफ्लाई पार्क –

बोटेनिकल गार्डन के इस भाग में नैनीताल व उसके आस–पास कें क्षेत्रों में स्वतन्त्र रूप से विचरण करने वाली लगभग 85 प्रजातियों की तितलियों के भोजन एंव प्रजनन हेतु नैक्टर (जिन पौधौं के फूलों से तितलियां अपना भोजन लेती है) एवं होस्ट प्लान्ट (जिन पौधौं पर तितलियां अण्डे देती है) उगाये गये है, जिनमें वे प्रतिवर्ष प्रनजनन का कार्य करती है।

प्रमुख हॉस्ट प्लाण्ट– ऐरिस्टोलोकिया (Aristolochia), नीबू (Citrus spp.), तुस्यारी (Debregeasia sp.), अरण्डी (Ricinus sp.), तिमूर/तिम़रू (Zanthoxylum sp.), बिच्छू (Urtica sp.), कड़ी पत्ता (Murraya sp.), लमला, रूमैक्स, किल्मोडा, सरसों। इसके अलावा बटरफ्लाई प्रजातियां– Spangle, Mormon, Peacock, Bat Wing, Windmill, Costers, Admirals, Tortoiseshell, Blues, Yellows, Jester, Pansys, Lime, Sellowtail आदि।

क्रम सं0	पौंधों का नाम	तितली प्रजातियां
1.	एरिस्टोलोकिया (Aristolochia sp.)	Windmill, Batwing, Southern Golden Birdwing.
2.	बिच्छू बूटि (Urtica dioca)	Indian Tortoiseshell, Indian Red Admiral.
3.	आवा बिच्छू (Girardinia hetrophylla)	Painted Lady.
4.	कनेर, फाइकस (Nirium, Ficus sp.)	Striped Blue Crow.
5.	चित्तर/किल्मोड़ा (Berberis chitria.)	Great blackvein.
6.	अरण्डी (Ricinus communis.)	Common Castor
7.	नीबू, कड़ी पत्ता (Citrus, Murrays sp.)	Common Mormon, Spangle.
8.	तिमूर (Zanthoxylum spp.)	Common Pecock, Spangle.

क्रम सं0	पौधों का नाम	तितली प्रजातियां
9.	Asclepias sp., Ceropegia sp, Marsdeni sp.	Striped Tiger, Plain Tiger.
10.	झिटालू (Prinsepia utilis.)	Large Hedge Blue.
11.	चिल्मोंड़ा (Oxalis sp.) Strobilanthes sp.	Pale Grass Blue.
12.	बनाड़ (Cassia occidentalis.)	Mottled Emigrant.
13.	गोभी, सरसों, (Cabbage Mustard, Nuatartium)	Large Cabbage White, Indian Cabbage Whitge.
14.	चिल्मोंड़ा / अल्मोड़ा (Rumex hastatus.)	Sorrel Sappphire.
15.	तुस्यारी (Debregeasia hypoluca.)	Yollow Coster.

2. औषधीय पादप प्रदर्शन क्षेत्र – इस सैक्शन में उत्तराखण्ड के हिमालयी / पर्वतीय क्षेत्र में पायी जाने वाली कई दुर्लभ व महत्वपूर्ण प्रजातियों के लगभग 110 प्रजातियों के औषधीय पादपों को उगाया / संरक्षित किया गया है। जिनमें महत्वपूर्ण प्रजातियां निम्नवत् है– रिद्धि (Habenaria intermedia), बज्रदन्ती (Potentilla fulgens), जीवक (Malaxis spp.), काला / स्याह जीरा (Carum carvi), इशबगोल (Plantago major), पत्तथर चट्टा (Bryophyllum pinnatum), पाषाण भेद (Bergenia cilita), कचूर (Cautleya spicata), Arisaema sp. चिरायता (Swertia spp.), अश्वगन्धा (Withania somnifera), Ceropegia wallichii, शालम पंजा (Roscoea purpurea) भूतकेशी (Selinium tenulifolium) आदि।

3. आरबोरेटम – इस क्षेत्र में उत्तराखण्ड में पाये जाने वाली विभिन्न प्रकार के महत्वपूर्ण वृक्ष/झाड़ी प्रजातियों के पौधों को उगाया/संरक्षित किया गया है। जिसमें कुछ महत्वपूर्ण प्रजातियां निम्नवत् है– टाकिल पाम (Trycarpus takil), रूद्राक्ष (Eleocarpus greantus), Inula cuspidate, आसामी पॉगर (Aesculus indica), चम्पा (Michelus champaca), कनकचम्पा (Pilospermum), कपूर (Cinnamomum camphora), पटवा (Mezptropis p), जिंको (Zingo biloba),

बांज (Quercus spp.), पांगर (Aesculus indica), पद्येड़ा (Leptodermis lenceolata), बकरौरल (Osyris arborea), किल्मोड़ा (Berberis asiatica/citria), बिन्दा (Colbrokia oppsitifolia), मकौल (Coreria nepalensis), घिंघारू (Pyracantha creanulata), Inula cuspidate, Cryopteris odorata, आदि।

4. फर्नरी/आर्किडेरिम – यह इस बोटैनिकल गार्डन की सबसे महत्वपूर्ण पादप प्रदर्शन ईकाई है। जिसमें उत्तराखण्ड में पाये जाने वाली विभिन्न फर्न एंव आर्किड प्रजाति के पौंधों को उनके प्राकृतवास का आभास देकर उगाया गया है। जिसमें फर्न की लगभग 50 प्रजातियां व आर्किड की 40 प्रजातियों को संरक्षित किया गया है। जिनमें कुछ महत्वपर्ण प्रजातियों में फर्न– Asplenium, Dryopteris, Polystichum, Lepisorus, Drynaria, Cheilanthes, Onychium, Pteris, Adiantum, Coniogramme, Diplazium आदि।

और आर्किड प्रजातियां– Cymbidium, Dendrobium, Bulbophyllum, Eria, Areadis, Rhynchostylis, Vanda , Pholidota, Malaxis, Habenaria, Thunia आदि।

5. जियोडेसिक डोम – जियोडेसिक डोम में विभिन्न प्रकार के सुन्दर कैक्टस व सक्यूलैट्स उगाये गये है। जिसमें कैक्टस की लगभग 50 से अधिक प्रजातियों को संरक्षित किया गया है।

जिनमें कुछ महत्वपर्ण प्रजातियों के कैक्टस निम्नवत् है– Opuntia sp., Achinoereus sp., Mammillaria Sp., Euphorbia sp., Echinocactus sp., Cephalocereus sp., Echinopsis sp., Apicactus sp., Aspostoa sp. और सक्यूलैण्ट प्रजातियां– Aloe sp., Kalanchoe sp.,Aeonium umdulatum, Cressula sp. Sedum sp., Echeveria sp. आदि।

6. बर्डिंग एंव वाइल्ड लाईफ ट्रेल – बोटैनिकल गार्डन परिसर में दो वाइन्ड लाईफ ट्रेल व दो बर्डवाचिंग ट्रेल घने जंगल के बीच बनी इन ट्रेलों में वन्यजीव व पक्षीयों के लिए कुछ वाटर होल (जल कुण्ड) बने है और एक बैम्बू निर्मित वाच टावर भी बना हुआ है। यहां से पक्षियों को देखने का अपने आप में एक अनोखा आनन्द है। इन ट्रेलों में मुख्य पक्षी प्रजातियां– Kalij Pheasant, Hill Partridge, Cheer Pheasant,Woodpackers, Tits, Laughing thrushes, Babllers, Flycatchers, Vultures, and Owls और वन्यजीवो में– Leaopard, Goral, Serow, Barking Deer, Marten, Porcupine, Red Fox, Giant Flying Squirrel आदि।

इसके अलावा हिमालयन बोटैनिकल गार्डन परिसर में सरीसृप (Reptiels) की भी कुछ प्रजातियां यहां पायी जाती है। जैसे– Himalayan Pit Viper, Trinket Snake, Keelback, Rat Snake, King Cobra, Collerd black headed Snake, Leith's Sand Snake, Cat Snake, West Himalayan Rock Agama and Rock Sking आदि।

प्रवेश शुल्क :–

- 5 वर्ष से 12 वर्ष – रू0 50.00
- 12 वर्ष से अधिक – रू0 50.00
- वयस्क (विदेशी) – रू0 50.00
- बच्चे (विदेशी) – रू0 50.00

निम्नलिखित नागरिकों को प्रवेश निःशुल्क होगा।

- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष से अधिक) हेतु
- दिव्यांगजनों हेतु।
- 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चों हेतु

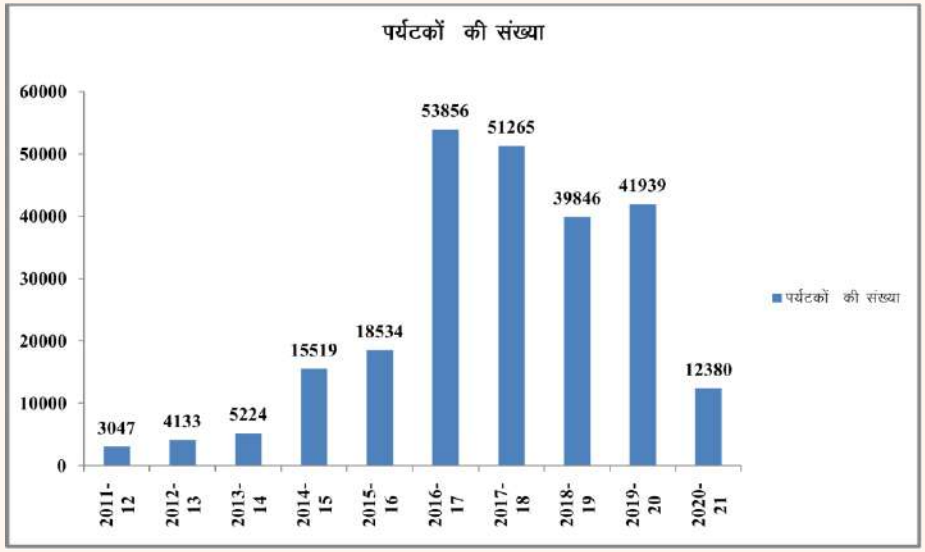

विगत 10 वर्षो में हिमालयन बौटेनिकल गार्डन में आये पर्यटकों का विवरण

राजस्व :–

विगत 10 वर्षो में हिमालयन बौटेनिकल गार्डन में आये पर्यटक एवं प्राप्त आय का विवरण निम्न प्रकार है।

वर्ष	पर्यटकों की संख्या	कुल धनराशि
2011-12	3047	60940
2012-13	4133	82660
2013-14	5224	104480
2014-15	15519	310380
2015-16	18534	370680
2016-17	53856	1077120
2017-18	51265	1185040
2018-19	39846	2190000
2019-20	41939	2096950
2020-21	12380	625100

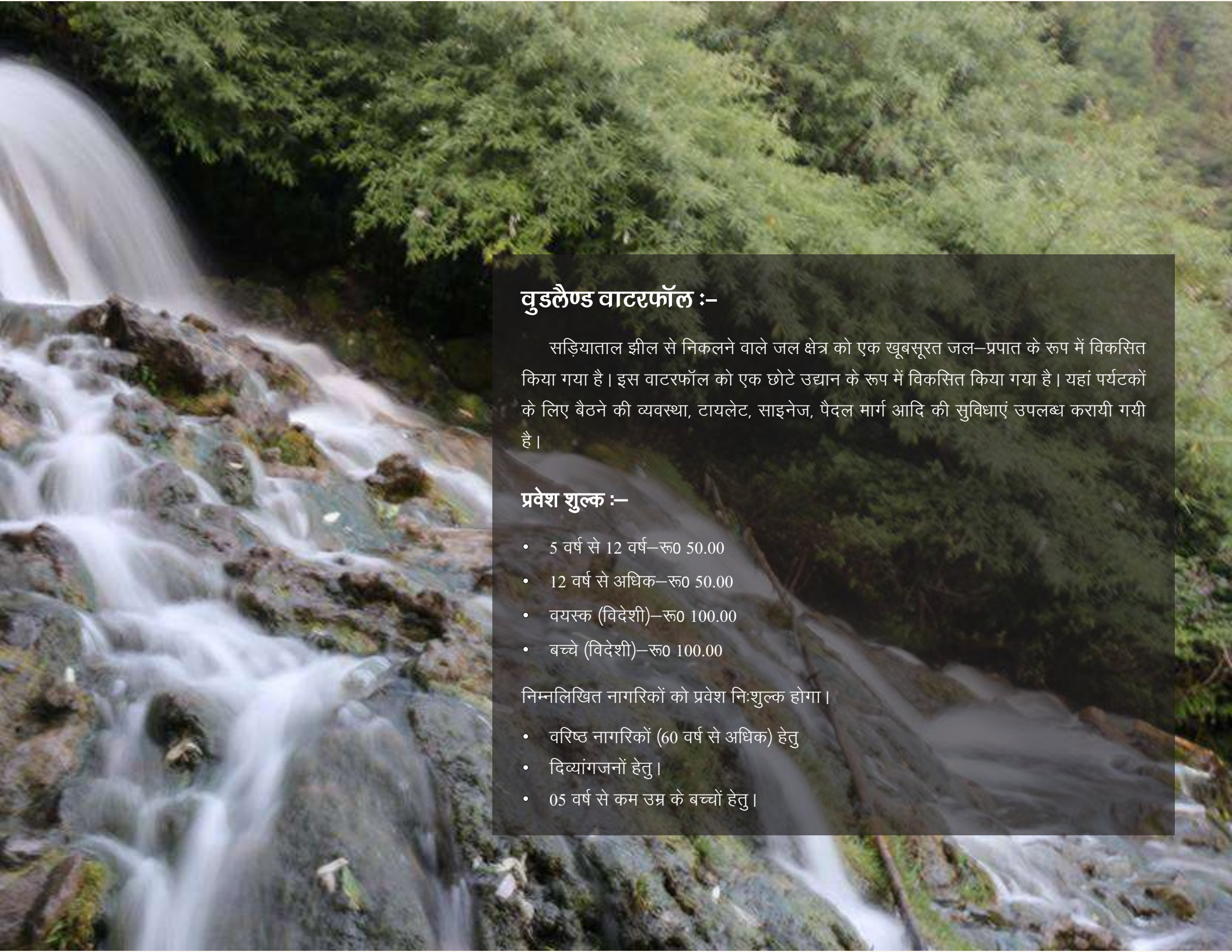

वुडलैण्ड वाटरफॉल :–

सड़ियाताल झील से निकलने वाले जल क्षेत्र को एक खूबसूरत जल–प्रपात के रूप में विकसित किया गया है। इस वाटरफॉल को एक छोटे उद्यान के रूप में विकसित किया गया है। यहां पर्यटकों के लिए बैठने की व्यवस्था, टायलेट, साइनेज, पैदल मार्ग आदि की सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी है।

प्रवेश शुल्क :–

- 5 वर्ष से 12 वर्ष–रू0 50.00
- 12 वर्ष से अधिक–रू0 50.00
- वयस्क (विदेशी)–रू0 100.00
- बच्चे (विदेशी)–रू0 100.00

निम्नलिखित नागरिकों को प्रवेश निःशुल्क होगा।

- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष से अधिक) हेतु
- दिव्यांगजनों हेतु।
- 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चों हेतु।

राजस्व :–

विगत 10 वर्षो में वुडलैण्ड वाटर फॉल, सरिताताल में आये पर्यटक एवं प्राप्त आय का विवरण निम्न प्रकार है :–

वर्ष	पर्यटकों की संख्या	कुल धनराशि
2011-12	82550	412750
2012-13	82740	413700
2013-14	82660	413300
2014-15	146000	730000
2015-16	214485	1072425
2016-17	232220	3330150
2017-18	229785	4063660
2018-19	125704	6328000
2019-20	150296	7515250
2020-21	65361	3307650

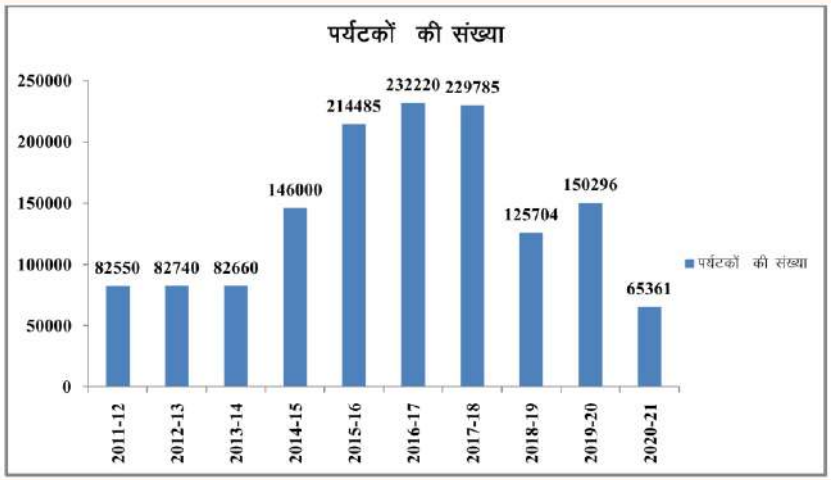

विगत 10 वर्षो में वुडलैण्ड वाटरफॉल, सड़ियाताल में आये पर्यटकों का विवरण

हमारी शक्ति :–

- श्री धरम सिंह बोनाल
- श्री पुष्कर सिंह महरा
- श्री महेश सिंह बोरा
- श्री राजेन्द्र कुमार जोशी
- श्री खजान चन्द्र मिश्रा
- श्री गिरधर सिंह नेगी
- श्रीमती विमला बिष्ट
- श्री गोविन्द पाण्डे
- श्री ललित मोहन पाण्डे
- श्री कुन्दन सिंह
- श्री अमर बहादुर
- श्री टस बहादुर
- श्री शिव बहादुर
- श्री नवीन मनराल
- श्री अजय श्री
- श्री प्रकाश चन्द्र जोशी
- श्री संदीप कुमार
- श्री योगेश कुमार
- श्री प्रवीण सिंह देवली
- श्री प्रताप राम
- श्री प्रकाश सिंह रावत
- श्री गौरव सिंह बिष्ट
- श्री विक्रम सिंह महरा
- श्री अनुज काण्डपाल
- श्रीमती मीना अधिकारी
- श्रीमती भावना दोरियाल
- श्री सूरज नयाल
- श्री रमेश सिंह
- श्री आनन्द सिंह
- श्री कमल सिंह बिष्ट
- श्री कृपाल सिंह
- श्री गोविन्द सिंह
- श्री मनोज जोशी
- श्री प्रदीप सिंह देवली

आज

उत्तराखंड समाचार

बुधवार, 22 अप्रैल 2020 | 5

चिड़ियाघर के कीपर बोले: कोविड-19 के बाद से बेजुबानों की सुरक्षा के प्रति बढ़ी हमारी जिम्मेदारी

सेनेटाइजेशन पर है पूरा फोकस

सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन में जुटा है जू परिवार

अमर उजाला | my city | नैनीताल-रामनगर

नैनीताल चिड़ियाघर में पहुंचे 18 पर्यटक

जू में थर्मल स्क्रीनिंग और सैनिटाइजजेशन के बाद दिया जा रहा प्रवेश

14 सैलानियों के आने से वुडलैंड वाटर फाल में भी बढ़ी रौनक

हिमालयन बाटनिकल गार्डन खुला लेकिन नहीं पहुंचे सैलानी

वन्य प्राणी सप्ताह कल से: जू करेगा स्कूली बच्चों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता

स्कूली बच्चों के लिए सप्ताह भर फ्री इंट्री

जू के कीपर्स 2 को साझा करेंगे अपने अनुभव

रावत बने नैनीताल चिड़ियाघर के वन क्षेत्राधिकारी

कभी पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वुडलैंड वाटरफाल पड़ा वीरान

तरह-तरह के फूल, थर्मोव फर्न भी हैं वाटर फाल का आकर्षण

वर्ष 2019 के ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में पहुंचे थे 62445 पर्यटक

चिड़ियाघर में वन्यजीवों के खानपान पर खास फोकस

आज से खुलेगा नैनीताल जू और बॉटनिकल गार्डन

पॉजिटिव इंडिया

अनलॉक

- थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही होगी एंट्री कोरोना के कारण 18 मार्च से बंद थे
- वन्यजीवों के भोजन आदि के लिए सरकार ने 28 लाख का बजट दिया

जागरण संवाददाता, नैनीताल : करीब तीन माह बाद शुक्रवार से जीबी पंत प्राणी उद्यान, बॉटनिकल गार्डन नारायण नगर और वॉटरफाल सरितावाल पर्यटकों व पर्यावरणप्रेमियों के लिए खुल जाएगा।

गुरुवार को जू के निदेशक व डीएफओ बीजू लाल टीआर ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अनलॉक-वन में चिड़ियाघर में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण व राज्य सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। जू की रेंजर ममता चंद ने बताया कि थर्मल स्क्रीनिंग व टच्छों सैनिटाइजिंग के बाद ही चिड़ियाघर में प्रवेश दिया जाएगा। बता दें कि कोरोना के कारण 18 मार्च से चिड़ियाघर, बॉटनिकल गार्डन, वॉटरफॉल बंद कर दिया गया था, जिस कारण वन विभाग को करोड़ों का घाटा हुआ। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि वन्यजीवों के भोजन आदि के लिए हाल ही में राज्य सरकार ने 28 लाख का बजट मुहैया कराया है।

लॉकडाउन से नैनीताल चिड़ियाघर में गहराया आर्थिक संकट

सेनेटाइजेशन से हर माह 20 हजार का अतिरिक्त खर्च बढ़ा

वर्ष 2019 में पर्यटक सीजन में 1 लाख 27 हजार पर्यटक पहुंचे थे जू में

वन्य प्राणि सप्ताह: 82 बच्चों को मिला फ्री में इंट्री तो जू कीपर्स ने साझा किए अनुभव

बढ़ते ठंड के चलते जू प्रबंधन ने किया बेजुबानों के रहन सहन में बदलाव

जानवरों का ठंड से बचाव बेहद जरूरी: अजय

ठंड से बचने के लिए घोड़े ओढ़ रहे हैं कंबल

रंग-बिरंगें फूल, खुशबूदार पौधे, कैक्टस, आर्किड व फर्न बने शो पीस

वाइल्ड लाईफ ट्रेल व बर्डिंग ट्रेल भी हैं गार्डन का आकर्षण

वर्ष 2019 के ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन में पहुंचे थे 18405 पर्यटक

आर्थिक संकट से गुजर रहे नैनीताल जू को मिली राहत

...प्राणि स्वास्थ्य सलाहकार समिति की 26वीं बैठक: वन्य प्राणियों के रख रखाव पर हुआ मंथन

...ये शान हैं चिड़ियाघर की और जान हैं इंसान की

गोद लेने के लिए निर्धारित है हर पशु-पक्षी की वार्षिक राशि

पशु प्रेमियों को योजना से जोड़ने के होंगे प्रयास: निदेशक

चिड़ियाघर, बाटनिकल गार्डन व वाटर फाल में पहुंचे 15 दिन में मात्र 325 सैलानी

15 दिनों में तीनों स्थलों की यह है पर्यटकों की स्थिति

कोरोना के भय से पर्यटकों की आमद हो रही है कम: निदेशक

नैनीताल बैंक ने चिड़ियाघर के पांच जानवरों को लिया गोद

जू करेगा स्कूली बच्चों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता

स्कूली बच्चों के लिए निशुल्क प्रवेश व्यवस्था

जू के कीपर्स 2 को साझा करेंगे अपने अनुभव

वन्य प्राणि सप्ताह शुरु: जू में छात्रों को मिलेगी फ्री इंट्री

RoaR

Respect and Revive

WILDLIFE WEEK

1st - 7th October 2020

जी० बी० पन्त, उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान, नैनीताल

☎ 05942-237927

nainitalzoo.org.in

nainitalzoouk@gmail.com